हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष : 12, अंक : 128 , पृष्ठ : 12 | नई दिल्ली 16 मार्च से 31 मार्च 2026 | RNI NO. DELHIN/ 2009 28409 | मूल्य :- ₹5/

ख़ास ख़बर

कॉफी, चाय, रबड़ जैसी रोपण फसलों की बढ़ेगी पैदावार

नई दिल्ली। देश में रोपण फसलों की पैदावार और रकबे में आगामी वर्षों में अच्छी वृद्धि होने की उम्मीद है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2023-24 में रोपण फसलों की पैदावार 176.66 लाख टन थी, जिसके 2024-25 के दौरान 169.81 लाख टन रहने का अनुमान है। रोपण फसलों में चाय, कॉफी, रबड़, कोको, सुपारी, काजू, नारियल जैसी फसलों को शामिल किया जाता है। आगामी वर्ष 2025-26 के लिए सकारात्मक संकेत देते हुए इसमें कहा गया है कि रोपण फसलों का क्षेत्रफल और उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 1.61 प्रतिशत और 5.82 प्रतिशत बढ़ सकता है। वर्ष 2025-26 के प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार इन फसलों का क्षेत्रफल लगभग 46.59 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन लगभग 179.68 लाख टन होने की संभावना है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन आंकड़ों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तकनीक, सिंचाई, वैल्यू चेन, प्रसंस्करण, भंडारण, कोल्ड चेन और बाजार सुधारों पर सरकार द्वारा किया जा रहा निवेश जमीन पर परिणाम दे रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी तथा टिकाऊ बनाने की दिशा में मजबूत प्रगति हो रही है।

एनएमआईएमएस ने जारी किए एमबीए 2026 बैच के अंतिम परिणाम

मुंबई। देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में शामिल नारसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआईएमएस) ने एमबीए 2026 बैच के लिए अंतिम प्रवेश परिणाम घोषित कर दिए हैं। चयन प्रक्रिया के दूसरे चरण में शामिल हुए अभ्यर्थी अब संस्थान के आधिकारिक एडमिशन पोर्टल पर जाकर अपनी अंतिम मेरिट स्थिति देख सकते हैं। संस्थान की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दूसरे चरण की चयन प्रक्रिया में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का कॉम्पिटेंसी असेसमेंट और एआई आधारित पर्सनल इंटरव्यू लिया गया था। इसी प्रक्रिया के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की गई है, जिसके माध्यम से विभिन्न मैनेजमेंट प्रोग्राम्स में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों का चयन किया गया है।

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने उठाई आम लोगों की रोजमर्रा की चिंताएं

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को संसद में आम भारतीयों की तीन रोजमर्रा की चिंताओं का मुद्दा उठाते हुए सरकार से व्यावहारिक सुधार लागू करने की मांग की। राज्यसभा में बजट सत्र के दौरान बोलते हुए, उन्होंने तीन प्रमुख सुझाव दिए, जिनमें पति-पत्नी के लिए वैकल्पिक संयुक्त आयकर रिटर्न दाखिल करने की व्यवस्था, घायल सैनिकों की दिव्यांगता पेंशन पर पूरी तरह कर छूट और बैंक खातों में न्यूनतम बैलेंस न रखने पर लगने वाले जुर्माने को खत्म करना शामिल थे। चड्ढा ने कहा कि ये तीनों मुद्दे देश के लाखों लोगों को सीधे प्रभावित करते हैं और इनमें नीतिगत बदलाव से व्यवस्था अधिक न्यायसंगत और मानवीय बन सकती है। उन्होंने कहा कि भारत में फिलहाल पति-पत्नी को अलग-अलग आयकर रिटर्न दाखिल करना पड़ता है, जिससे उन परिवारों को नुकसान होता है जहां दोनों की आय बराबर नहीं होती। चड्ढा के मुताबिक कई घरों में एक व्यक्ति की आय अधिक होती है, जबकि दूसरा बहुत कम कमाता है या कमाता ही नहीं। ऐसे में अधिक कमाने वाले पर कर का बोझ ज्यादा पड़ता है क्योंकि दोनों की आय को जोड़कर टैक्स नहीं लगाया जाता। उन्होंने कहा कि अमेरिका और जर्मनी जैसे कई देशों में पति-पत्नी को संयुक्त रूप से आयकर दाखिल करने की अनुमति है, जिससे टैक्स स्लैब का बेहतर लाभ मिलता है और परिवार पर कुल कर बोझ कम हो सकता है। उनके अनुसार भारत में भी वैकल्पिक संयुक्त फाइलिंग लागू करने से परिवारों को आर्थिक रूप से मदद मिलेगी। दूसरा मुद्दा उठाते हुए चड्ढा ने कहा कि पहले सेवा के दौरान घायल सैनिकों को मिलने वाली दिव्यांगता पेंशन पूरी तरह से आयकर मुक्त होती थी। उन्होंने कहा कि हाल में नीति में बदलाव के बाद पूर्ण कर छूट केवल उन सैनिकों को मिलती है जिन्हें चोट के कारण सेवा से मेडिकल आधार पर बाहर कर दिया जाता है। उनके मुताबिक जो सैनिक चोट के बावजूद सेवा जारी रखते हैं या बाद में सामान्य रूप से सेवानिवृत्त होते हैं, उन्हें अपनी दिव्यांगता पेंशन के कुछ हिस्से पर कर देना पड़ता है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि देश की सेवा करते हुए लगी चोटों पर मिलने वाले लाभों को सैनिक की सेवा स्थिति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। चड्ढा ने सरकार से सेवा से जुड़ी चोटों पर मिलने वाली दिव्यांगता पेंशन को सभी सैनिकों के लिए 100 प्रतिशत आयकर मुक्त करने की मांग की।

दोनों कंपनियां किंग अब्दुलअज़ीज़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मस्कट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें जारी रखेंगी

एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई की उड़ानें की रद्द

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को ड्रोन हमले की एक घटना के कारण हवाई अड्डे से उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इस व्यवधान के कारण, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस को दुबई से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें आज के लिए रद्द करनी पड़ी। विमान कंपनियों ने कहा है कि प्रभावित यात्रियों को या तो अपनी यात्रा बाद की तारीख के लिए दोबारा बुक करने या अपने टिकट रद्द करने और बिना किसी अतिरिक्त लागत के पूरा रिफंड प्राप्त करने का विकल्प दिया जाएगा। विमान कंपनियों ने इस असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है और उड़ानें रद्द होने का कारण अपरिहार्य परिचालन संबंधी बाधाओं को बताया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रस अल खैमाह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और शारजाह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे सहित अन्य यूएई हवाई अड्डों से आने-जाने वाली उसकी अस्थायी उड़ानें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगी। कंपनियों ने आगे कहा कि उनकी टीमें प्रभावित यात्रियों की सहायता करने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही हैं कि फंसे हुए यात्रियों को जल्द से जल्द सुरक्षित घर वापस लाया जाए। इससे पहले, दोनों हवाई कंपनियों ने घोषणा की थी कि वे 16 मार्च को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली 48 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें संयुक्त रूप से संचालित करेंगी। दोनों कंपनियां किंग अब्दुलअज़ीज़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और मस्कट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए अपनी निर्धारित उड़ानें जारी रखेंगी, जिनमें भारत और जेद्दा के बीच कुल 10 उड़ानें शामिल हैं।

एयर इंडिया को दिल्ली और मुंबई से जेद्दा के लिए एक-एक वापसी सेवा संचालित करनी थी जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस को बेंगलुरु, कोझिकोड और मंगलुरु से एक-एक उड़ान संचालित करनी थी।

एयर इंडिया को दिल्ली और मुंबई से जेद्दा के लिए एक-एक वापसी सेवा संचालित करनी थी जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस को बेंगलुरु, कोझिकोड और मंगलुरु से एक-एक उड़ान संचालित करनी थी। इसके अलावा, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मस्कट से आने-जाने वाली 12 निर्धारित उड़ानों की योजना बनाई थी, जिनमें दिल्ली, कन्नूर, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से सेवाएं और कोच्चि से दो उड़ानें शामिल थीं।

निर्धारित सेवाओं के अलावा, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने स्लॉट की उपलब्धता और मौजूदा परिचालन स्थितियों के अंतर्गत संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब से आने-जाने वाली 26 अतिरिक्त गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करने की भी योजना बनाई थी। कंपनी ने कहा कि ये उड़ानें संबंधित भारतीय एवं स्थानीय नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमतियों के साथ संचालित की जा रही हैं।

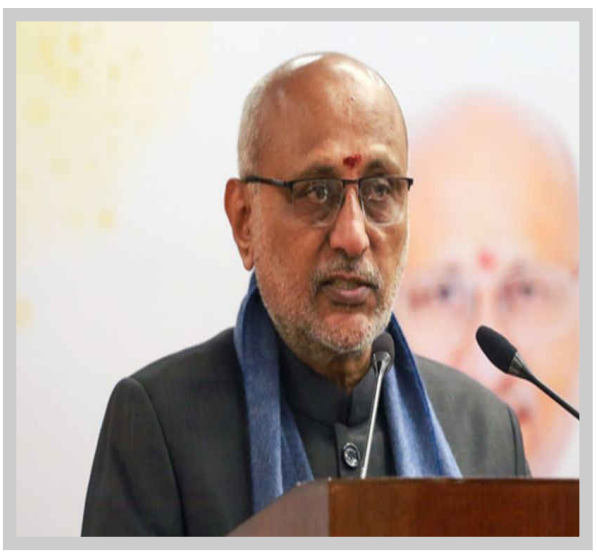

नेपाल बस हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने जताया दुख, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

नेपाल में हुए सड़क हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गहरा शोक प्रकट किया है। इस हादसे में तमिलनाडु के 7 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें इस दुखद घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। साथ ही, संबंधित अधिकारियों और नेपाल स्थित भारतीय दूतावास से घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ मृतकों के पार्थिव शरीर को भारत लाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने लिखा, ÷नेपाल में हुई दुखद बस दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ, जिसमें तमिलनाडु के सात भारतीय तीर्थयात्रियों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

उपराष्ट्रपति ने आगे लिखा, मैंने संबंधित अधिकारियों और नेपाल स्थित भारतीय दूतावास से यह भी कहा है कि वे सभी आवश्यक सहायता प्रदान करें, जिसमें घायलों को मदद पहुँचाना और मृतकों के पार्थिव शरीर को वापस लाने की व्यवस्था करना शामिल है।

बता दें कि यह दर्दनाक हादसा शनिवार को गोरखा जिले में हुआ था। भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक माइक्रोबस जब तनाहुन जिले के अंबुखैरेनी इलाके (जो मनकामना मंदिर से थोड़ा पश्चिम में है) की ओर जा रही थी, तब शहीद लखन ग्रामीण नगरपालिका के कांतार इलाके में सड़क से फिसलकर एक खाई में गिर गई थी। हादसे में मारे गए भारतीय तीर्थयात्रियों के शवों को जल्द स्वदेश लाने के लिए भारतीय दूतावास सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

एपस्टीन से जोड़ने वाली खबरों पर हिमायनी पुरी का एक्शन

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने मुकदमा दायर कर जेफरी एपस्टीन से जोड़ने वाले ऑनलाइन समाचार रिपोर्ट्स, पोस्ट्स, वीडियो और अन्य सामग्री को हटाने की मांग की है। हिमायनी पुरी ने हर्जाने के तौर पर 10 करोड़ रुपए की मांग की। दिल्ली हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई मंगलवार यानी 17 मार्च को कर सकता है। हिमायनी पुरी ने याचिका में कहा है कि इंटरनेट पर प्रसारित कई पोस्ट और रिपोर्ट्स में यह गलत दावा किया गया है कि उनका जेफरी एपस्टीन या उसकी आपराधिक गतिविधियों से किसी प्रकार का वित्तीय या नेटवर्क संबंध रहा है।

याचिका में कहा गया है कि इस तरह की झूठी जानकारी के प्रसार से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और इससे समाज में उनकी छवि प्रभावित हुई है।

उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रही है। याचिका में कहा गया है कि इस तरह की झूठी जानकारी के प्रसार से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और इससे समाज में उनकी छवि प्रभावित हुई है। याचिका में हिमायनी पुरी ने हर्जाने के रूप में 10 करोड़ रुपए की मांग की है। उन्होंने अदालत से यह भी आग्रह किया है कि संबंधित पक्षों को भविष्य में इस तरह के आरोपों को दोहराने या प्रकाशित करने से रोका जाए। हिमायनी पुरी ने कई सोशल मीडिया कंपनियों और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा की भी मांग की है। याचिका में दुनिया भर के विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर प्रकाशित उन सभी पोस्ट, लेखों और वीडियो को हटाने के निर्देश देने की अपील की गई है, जिनमें उनका नाम एपस्टीन से जोड़ा गया है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में जल्द सुनवाई हो सकती है और अदालत इस पर मंगलवार यानी 17 मार्च को सुनवाई कर सकती है। मामले की सुनवाई के दौरान यह तय किया जाएगा।

एलपीजी भारतीय झंडा वाले जहाज 'जग लाडकी भी यूएई से 14 मार्च को रवाना हो चुका है।

होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में 611 नाविकों के साथ भारतीय झंडे वाले 22 जहाज मौजूद- जलमार्ग मंत्रालय

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

भारत सरकार के जलमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय झंडे वाले 22 जहाज होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में मौजूद हैं जिन पर 611 नाविक सवार हैं और पिछले 24 घंटे में किसी भी तरह के हादसे की खबर नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय झंडा वाले जहाज 'जग लाडकी भी यूएई से 14 मार्च को रवाना हो चुका है। प्रेस ब्रीफिंग में ये जानकारी दी गई।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया, शिवालिक एलपीजी कैरियर, जो फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था, होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर आ चुका है। उन्होंने बताया कि जहाज के पहुंचने से पहले ही बंदरगाह पर सभी जरूरी दस्तावेजी प्रक्रिया, प्राथमिकता के आधार पर बर्थिंग और बाकी व्यवस्थाएं कर दी गई हैं, ताकि इस जहाज से माल उतारने में कोई विलंब न हो। सिन्हा ने विश्वास दिलाया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा,÷पिछले 24 घंटों में किसी तरह की घटना की सूचना नहीं मिली है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हर जहाज और उसके क्रू मेंबर के साथ संपर्क बना हुआ है। फारस की खाड़ी में होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में अभी भी भारत के झंडे वाले 22 जहाज मौजूद हैं, जिन पर 611 भारतीय नाविक सवार हैं।

सिन्हा ने बताया कि यूएई से चली शिप 17 मार्च तक क्रूड लेकर भारत पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा, भारतीय झंडा वाले जहाज 'जग लाडकी' ने 14 मार्च को यूएई से रवाना होकर करीब 81 हजार टन मुरबान कच्चा तेल लेकर भारत की ओर यात्रा शुरू की है। जहाज और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। यह जहाज कल मुंद्रा बंदरगाह पहुंच जाएगा।ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संघर्ष में फंसे नागरिकों को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, ÷हमारे करीब 90 नागरिक ईरान से जमीन के रास्ते अजरबैजान पहुंचे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मदद की। दूतावास ने उन्हें वीजा दिलाने और जरूरी इमिग्रेशन औपचारिकताएं पूरी कराने में सहयोग किया। उन्होंने कहा, जिन 550 लोगों के ईरान से आर्मेनिया पहुंचने की बात हमने पहले बताई थी, उनमें 284 लोग ऐसे हैं जो ईरान तीर्थ यात्रा पर गए थे। ये लोग फिलहाल इन दोनों देशों में मौजूद हैं। इनमें से कुछ भारत लौट चुके हैं और बाकी लोग अगले कुछ दिनों में लौट आएंगे। जायसवाल ने बताया कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास सभी कठिन हालात के बावजूद पूरी तरह काम कर रहा है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में दूतावास ने तेहरान के बाहर मौजूद भारतीय छात्रों को भी ज्यादा सुरक्षित शहरों में पहुंचाने में मदद की है।

सिन्हा ने बताया कि यूएई से चली शिप 17 मार्च तक क्रूड लेकर भारत पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा, भारतीय झंडा वाले जहाज 'जग लाडकी' ने 14 मार्च को यूएई से रवाना होकर करीब 81 हजार टन मुरबान कच्चा तेल लेकर भारत की ओर यात्रा शुरू की है।

सरकार ने खाड़ी क्षेत्र से 286 भारतीय नाविकों की कराई सुरक्षित स्वदेश वापसी

एजेंसी ◀◀ नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को बताया कि खाड़ी क्षेत्र से अब तक 286 भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) को सुरक्षित भारत वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 48 घंटों में 33 नाविकों की स्वदेश वापसी शामिल है। नौवहन महानिदेशालय यानी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजी शिपिंग) ने यह सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के बयान के अनुसार, कंट्रोल रूम शुरू होने के बाद से अब तक नाविकों, उनके परिवारों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों की सहायता के लिए 3,030 फोन कॉल और करीब 5,497 ईमेल प्राप्त हुए हैं। पिछले 48 घंटों में ही 310 से ज्यादा कॉल और 597 ईमेल प्राप्त हुए, जिनमें मदद और जानकारी मांगी गई। बयान में कहा गया है, देश भर के प्रमुख बंदरगाह जहाजों की आवाजाही और कार्गो संचालन पर लगातार कड़ी नजर रख रहे हैं और शिपिंग कंपनियों तथा कार्गो से जुड़े हितधारकों को सहयोग दे रहे हैं। इसके तहत एंकरज (लंगरगाह), बर्थ किराया और स्टोरेज शुल्क में भी रियायतें दी जा रही हैं। बंदरगाह कस्टम और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कार्गो संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वय कर रहे हैं। यह भी बताया कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय नाविक से जुड़ी कोई समुद्री घटना सामने नहीं आई है।

फिलहाल फारस की खाड़ी के पश्चिमी हिस्से में 22 भारतीय झंडे वाले जहाज मौजूद हैं, जिन पर 611 भारतीय नाविक कार्यरत हैं। डीजी शिपिंग जहाज मालिकों, आरपीएसएल एजेंसियों और भारतीय मिशनों के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रख रहा है।

अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार, 2500 क्वार्टर शराब बरामद

इसकी उत्पत्ति कहां हुई और यह होली से इतनी गहरी जुड़ी क्यों है?

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली के द्वारका जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एएटीएस (एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड) की टीम ने एक अंतरराज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 2500 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है। यह शराब हरियाणा में बिक्री के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल हो रही बोलेरो पिकअप गाड़ी को भी जब्त कर लिया है।

'नशे पर लगाम, देश को सलाम' अभियान के तहत कार्रवाई

द्वारका जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ÷नशे पर लगाम, देश को सलाम÷ के तहत यह कार्रवाई की गई। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र को नशे और अवैध शराब की तस्करी से मुक्त करना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाने के लिए लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

गुप्त सूचना के आधार पर मिली सफलता

पुलिस को 9 मार्च 2026 की रात गुप्त सूचना मिली थी कि एक वाहन में बड़ी मात्रा में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने साईं मंदिर से श्याम विहार रोड के बीच घेराबंदी की। जब संदिग्ध बोलेरो पिकअप को रुकने का इशारा किया गया तो चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

वाहन की तलाशी में मिली भारी मात्रा में शराब

तलाशी के दौरान वाहन से 50 कार्टन बरामद किए गए, जिनमें कुल 2500 क्वार्टर अवैध शराब थी। यह शराब हरियाणा में बिक्री के लिए तैयार की गई थी। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और शराब सहित वाहन को जब्त कर लिया।

गिरफ्तार

- एएटीएस (एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड) की टीम ने एक अंतरराज्यीय शराब तस्कर को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 2500 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है।

आरोपी की पहचान और केस दर्ज

गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद नौशाद (उम्र 22 वर्ष) के रूप में हुई है। उसके खिलाफ नजफगढ़ थाने में दिल्ली आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में निरीक्षक मनीष यादव के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर इस ऑपरेशन को सफल बनाया।

भारतीय समय गणना की वैज्ञानिकता पर मंथन

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- नई दिल्ली में नवसंवत्सर और विक्रम संवत 2083 के अवसर पर राइजिंग जर्नलिस्ट सोसाइटी द्वारा एक विशेष सकारात्मक मीडिया संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के विद्वानों, विचारकों और समाजसेवियों ने भाग लेकर भारतीय नववर्ष की वैज्ञानिकता, सांस्कृतिक गहराई और वैश्विक महत्व पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भारतीय पंचांग को एक सटीक और वैज्ञानिक समय गणना प्रणाली बताया। विशेषज्ञों का कहना था कि यह प्रणाली नक्षत्रों और खगोलीय घटनाओं पर आधारित है, जिससे प्रकृति और ब्रह्मांड के साथ मानव जीवन का गहरा संबंध स्थापित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्राचीन भारतीय गणना पद्धति इतनी सटीक है कि बिना आधुनिक तकनीक के भी ग्रहण जैसी घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी संभव है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार शर्मा ने उज्जैन को भारत की समय गणना का केंद्र बताते हुए इसकी ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय नववर्ष विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग नामों–जैसे गुड़ी पड़वा, उगादी, नवरेह और चेटीचंड–से मनाया जाता है, लेकिन इसका मूल आधार एक ही है, जो सृष्टि के आरंभ का प्रतीक है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि नवरात्रि और रमजान जैसे पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शारीरिक संतुलन से भी जुड़े हैं। मौसम परिवर्तन के दौरान उपवास रखने की परंपरा को शरीर की शुद्धि और संतुलन के लिए वैज्ञानिक रूप से लाभकारी बताया गया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक उदय कुमार मन्ना ने आने वाले आयोजनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 मार्च को बिहार दिवस और शहीद दिवस, 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस, 29 मार्च को सकारात्मक संवाद कार्यक्रम और 31 मार्च को महावीर जयंती के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया जाएगा।

खास खबर

छत्तीसगढ़- 3 शहरों में 3000 खिलाड़ियों का दमदार मुकाबला

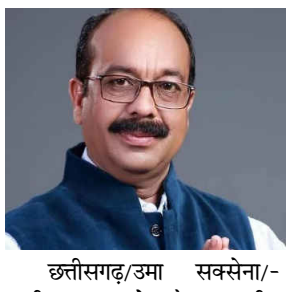

छत्तीसगढ़/उमा सक्सेना/- छत्तीसगढ़ अब देश के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़े खेल मंच के रूप में उभरकर सामने आया है। 'खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स' के आयोजन के तहत देश के 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 3000 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह आयोजन जनजातीय युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उनकी खेल क्षमता को निखारने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।

तीन शहरों में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

इस बड़े खेल आयोजन को छत्तीसगढ़ के तीन प्रमुख शहरों–रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर–में आयोजित किया जा रहा है। हर शहर में अलग-अलग खेल स्पर्धाएं रखी गई हैं, जिससे खिलाड़ियों को विविध खेलों में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा।

कई खेलों में दिखेगा खिलाड़ियों का दमखम

रायपुर में हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, तीरंदाजी और वेटलिफ्टिंग जैसे प्रमुख खेलों की प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं जगदलपुर में एथलेटिक्स स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा, जबकि अंबिकापुर में कुश्ती के मुकाबले होंगे। इन सभी खेलों में पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

ऋषिकेश एम्स में भर्ती मंत्री सतपाल महाराज की हालत स्थिर

उत्तराखंड/उमा सक्सेना/- उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ मंत्री सतपाल महाराज को स्वास्थ्य संबंधी समस्या के चलते ऋषिकेश स्थित एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार उन्हें सांस लेने में दिक्कत और निमोनिया की शिकायत के बाद डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में एडमिट किया गया। हालत को देखते हुए उन्हें आईसीयू में रखा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर रविकांत के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम मंत्री के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनके सभी जरूरी पैरामीटर सामान्य हैं और इलाज का सकारात्मक असर दिख रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स भी संतोषजनक बताई जा रही हैं, जिससे उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

भिवानी में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़ी भीड़, सैकड़ों मरीजों को मिला लाभ

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- भिवानी में सामाजिक संस्था भिवानी परिवार मैत्री संघ (बीपीएमएस) द्वारा आयोजित 37वें नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लिया। इस शिविर में कुल 180 लोगों की ओपीडी जांच की गई, जिनमें से 49 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जबकि 68 लोगों की ओरल स्वास्थ्य जांच भी की गई। यह शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए राहत लेकर आया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं

शिविर में आंखों की जांच गुरुग्राम स्थित इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा की गई, वहीं कैंसर एवं अन्य मेडिकल जांच दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की। डॉक्टरों की टीम ने मरीजों को परामर्श के साथ-साथ आवश्यक इलाज की दिशा भी दिखाई।

समाजसेवा की मिसाल बना आयोजन

यह शिविर समाजसेवी स्वर्गीय श्रीमती कांता देवी कोकड़ा की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसमें श्री नरेश कोकड़ा परिवार ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का आयोजन श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में सुबह से दोपहर तक किया गया। इस दौरान बीपीएमएस के पदाधिकारियों और कोकड़ा परिवार के सदस्यों ने शिविर का शुभारंभ किया।

संस्था के कार्यों को मिली सराहना

बीपीएमएस की पर्यावरण समिति की अध्यक्ष पूजा बंसल ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन लगातार जरूरतमंदों की सेवा में जुटा हुआ है। उन्होंने बताया कि संस्था के प्रयासों से हजारों लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं मिल चुकी हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। संस्था के पिछले शिविरों की तुलना में इस बार अधिक मरीजों ने भाग लिया। इससे पहले आयोजित शिविर में 125 मरीजों की जांच की गई थी, जिसमें 35 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चुना गया था। बीपीएमएस के निरंतर प्रयासों और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के कारण इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

ढांसा स्टैंड पेट्रोल पंप पर चला हेलमेट वितरण और जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- नई दिल्ली के नजफगढ़ सर्किल क्षेत्र में विश्व हेड इंजरी जागरूकता दिवस (20 मार्च 2026) के अवसर पर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आयोजित इस अभियान के तहत ढांसा स्टैंड स्थित पेट्रोल पंप पर हेलमेट वितरण और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इस दौरान पुलिस टीम द्वारा राहगीरों और वाहन चालकों को गुलाब के फूल देकर सम्मानित किया गया और उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को सड़क हादसों से बचाव के प्रति जागरूक करना और हेलमेट पहनने की आदत को बढ़ावा देना रहा। अभियान के तहत कुल 30 हेलमेट वितरित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि हेलमेट न केवल कानूनी रूप से जरूरी है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। इसके साथ ही लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने, तेज गति से वाहन न चलाने और सड़क पर सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने से ही संभव है और इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान लोगों को यह भी समझाया गया कि छोटी-सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए हर व्यक्ति को जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाना चाहिए और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

मोहन गार्डन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, खतरनाक लुटेरा चाकू के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के द्वारका जिले के मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। नियमित गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा, जिसके पास से बटन दबाते ही खुलने वाला धारदार चाकू बरामद हुआ। यह कार्रवाई 15 मार्च की रात करीब 9:20 बजे 55 फुटा रोड, पोस्वाल चौक के पास की गई, जहां आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

पुलिस टीम की मुस्तैदी

इस पूरी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल राकेश यादव और हेड कांस्टेबल हरेंद्र कुमार की अहम भूमिका रही। बाद में मामले की जांच हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार को सौंपी गई। पूरी टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।

पकड़े गए आरोपी की पहचान नीरज उर्फ सूरज उर्फ सत्य (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो उत्तम नगर इलाके का निवासी है। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है और हाल ही में एक छिनैती के मामले में भी उसका हाथ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ चोरी, लूट और अन्य संगीन मामलों में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के अन्य साथियों और उसके नेटवर्क की भी तलाश की जा रही है, ताकि अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राजधानी में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

कार्रवाई स्पेशल स्टाफ की कार्रवाई, I-20 कार समेत भारी खेप बरामद

द्वारका में अवैध शराब तस्करी पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 2000 क्वार्टर के साथ सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल स्टाफ टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय स्तर पर शराब की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से 2000 क्वार्टर अवैध देसी शराब बरामद की है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल हो रही सफेद रंग की ह्यु-20 कार को भी जब्त कर लिया गया है। **'नशे पर लगाम, देश को सलाम' अभियान के तहत सफलता**

द्वारका जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ÷नशे पर लगाम, देश को सलाम÷ के तहत यह कार्रवाई की गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे और अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह रोक लगाना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मुहिम के जरिए युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज को सुरक्षित बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गुप्त सूचना पर आधी रात को की गई छापेमारी

पुलिस को 12 मार्च की रात करीब 1:50 बजे सूचना मिली कि एक कार में अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने सेक्टर-16बी द्वारका के पास ओडिशा सदन के नजदीक घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध कार को रोकने का संकेत दिया गया, चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर वाहन को रोक लिया।

तलाशी में मिली 40 पेटी शराब

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 40 पेटियां बरामद हुईं, जिनमें कुल 2000 क्वार्टर अवैध देसी शराब थी। यह शराब हरियाणा में बिक्री के लिए चिह्नित थी। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और शराब के साथ वाहन को कब्जे में ले लिया।

आरोपी का खुलासा और नेटवर्क की जांच

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पुष्कर कुमार (उम्र 22 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है और वर्तमान में मित्राऊं गांव, दिल्ली में किराए पर रहता था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जल्दी पैसे कमाने के लालच में इस अवैध धंधे में शामिल हुआ था। उसने यह भी खुलासा किया कि वह हिमांशु और सोनू उर्फ खोटा के कहने पर शराब की सप्लाई कर रहा था।

पहले भी रहा है आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी आर्म्स एक्ट के एक मामले में शामिल रह चुका है। उसके खिलाफ द्वारका नॉर्थ थाने में दिल्ली आबकारी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली मेट्रो का बड़ा विस्तार- ढांसा से बाढसा AIIMS तक बनेगा नया कॉरिडोर

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी योजना सामने आई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के फेज-4 विस्तार के तहत ग्रे लाइन को ढांसा स्टैंड से आगे बढ़ाकर हरियाणा के झज्जर जिले स्थित बाढसा तक जोड़ा जाएगा। यह परियोजना दिल्ली और हरियाणा के सीमावर्ती ग्रामीण इलाकों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है।

6 नए स्टेशन और 20 किलोमीटर लंबा रूट

प्रस्तावित इस कॉरिडोर की लंबाई करीब 18 से 20 किलोमीटर बताई जा रही है, जिसमें कुल 6 नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाने की संभावना है। इनमें ढांसा विलेज, रावता मोड़, ईसापुर, सारंगपुर, लोहारहेड़ी और बाढसा जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। इस रूट पर रावता मोड़ को एक अहम जंक्शन के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे आसपास के गांवों को सीधा मेट्रो कनेक्शन मिलेगा।

ग्रामीण इलाकों को पहली बार मिलेगी मेट्रो सुविधा

इस परियोजना के शुरू होने से नजफगढ़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों–जैसे ईसापुर, लोहारहेड़ी और ढांसा–के हजारों लोगों को पहली बार मेट्रो की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी।

इस मेट्रो विस्तार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह दिल्ली के और हरियाणा के बाढसा स्थित को आपस में जोड़ेगा। इससे डॉक्टरों, मरीजों और मेडिकल स्टाफ के लिए आवाजाही आसान होगी और यह पूरा रूट एक 'मेडिकल कॉरिडोर' के रूप में विकसित हो सकता है।

2027-28 तक निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद

सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना पर फिलहाल व्यवहार्यता रिपोर्ट (फिजिबिलिटी स्टडी) और जमीन अधिग्रहण को लेकर शुरुआती चर्चा चल रही है। यदि केंद्र, दिल्ली और हरियाणा सरकार के बीच फंडिंग को लेकर सहमति बन जाती है, तो 2027 के अंत या 2028 की शुरुआत तक निर्माण कार्य शुरू हो सकता है।

जमीन अधिग्रहण और योजना पर फोकस

इस मेट्रो कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का काम हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और दिल्ली सरकार के समन्वय से किया जाएगा। चूंकि यह लाइन मुख्य रूप से एलिवेटेड (ऊपर से) बनने की संभावना है, इसलिए सीमित जमीन की जरूरत होगी, लेकिन डिपो के लिए बड़े भूखंड की तलाश जारी है।

रियल एस्टेट और अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

इस परियोजना के लागू होने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण रियल एस्टेट सेक्टर में उछाल आने की संभावना है, साथ ही स्थानीय व्यापार और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

नजफगढ़ में करोड़ों की परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास और उद्घाटन

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के नजफगढ़ क्षेत्र में विकास को नई दिशा देने के लिए बड़े स्तर पर जनहितकारी परियोजनाओं की शुरुआत की गई। करीब 11 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से कई महत्वपूर्ण कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया। इस मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिससे यह आयोजन जनसमर्थन और उत्साह का प्रतीक बन गया। क्षेत्र में सड़कों, गलियों, नालियों, पार्कों और रोशनी से जुड़ी कई योजनाओं को जमीन पर उतारने की दिशा में यह कदम अहम माना जा रहा है।

सड़क, पार्क और बुनियादी सुविधाओं पर खास फोकस

इस विकास योजना के तहत गोपाल नगर की एमडी रोड और पीपल वाली गली का निर्माण, मित्राऊ और झड़ौदा गांवों में गलियों और नालियों का निर्माण कार्य शुरू किया गया। इसके साथ ही पूरे वार्ड के निगम स्कूलों के सौंदर्यीकरण, 6 ओपन जिम और 5 पार्कों के निर्माण, 28 हाईमास्ट लाइट और 800 स्ट्रीट लाइट लगाने जैसे कार्यों का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बताया कि विकास सिर्फ आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। आने वाले समय में नजफगढ़ में एसी कम्युनिटी सेंटर, नया निगम विद्यालय, सभी स्कूलों में लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए हाई-टेक एसी लाइब्रेरी और ÷दिल्ली देहात संग्रहालय÷ जैसी परियोजनाओं को शुरू किया जाएगा। साथ ही दिल्ली गेट के पुनर्विकास की योजना भी तैयार की जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह बदलाव जनता के सहयोग और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में नजफगढ़ क्षेत्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर राजधानी के विकसित क्षेत्रों में शामिल होगा। साथ ही केंद्र और राज्य स्तर पर चल रही योजनाओं के जरिए क्षेत्र के समग्र विकास को गति दी जा रही है।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इन योजनाओं का स्वागत करते हुए क्षेत्र में हो रहे बदलाव की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये परियोजनाएं नजफगढ़ को साफ-सुथरा, आधुनिक और बेहतर जीवन सुविधाओं वाला क्षेत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

क्या थमेगा पश्चिम एशिया का युद्ध? ट्रंप के बयान से बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम एशिया में जारी भीषण टकराव के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़ा बयान देकर वैश्विक स्तर पर हलचल मचा दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को धीरे-धीरे कम करने पर विचार किया जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब इज़राइल और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं और क्षेत्र में तनाव चरम पर है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्यों के काफी करीब पहुंच चुका है, ऐसे में अब युद्ध को सीमित करने या रोकने की दिशा में सोच-विचार किया जा सकता है।

हमलों से बिगड़े हालात, गैस प्लांट बना टर्निंग पॉइंट

हाल ही में इज़राइल द्वारा ईरान के एक अहम गैस फील्ड पर किए गए हमले ने हालात को और अधिक गंभीर बना दिया। इसके जवाब में ईरान ने कतर में स्थित दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी प्लांट को निशाना बनाया।

इस टकराव का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा, जहां तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। ऊर्जा संकट की आशंका ने कई देशों की चिंता बढ़ा दी है।

अमेरिका के रणनीतिक लक्ष्य क्या हैं?

अमेरिका की इस सैन्य कार्रवाई के पीछे कई बड़े उद्देश्य बताए जा रहे हैं-

ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्च सिस्टम को निष्क्रिय करना

रक्षा उद्योग को कमजोर करना

नौसेना और वायुसेना की ताकत को सीमित करना

परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने से रोकना

सहयोगी देशों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर की सुरक्षा सुनिश्चित करना

जंग के बीच बढ़ता नुकसान और आर्थिक असर

ईरान के जवाबी हमलों में एक अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को नुकसान पहुंचने की खबर भी सामने आई है, हालांकि पायलट सुरक्षित बताया गया है।

वहीं, बढ़ती तेल कीमतों और सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिका ने ईरानी तेल पर अस्थायी राहत देने का फैसला किया है, ताकि वैश्विक बाजार में संतुलन बनाए रखा जा सके।

खास ख़बर

पुदुचेरी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जारी की 9 उम्मीदवारों की सूची

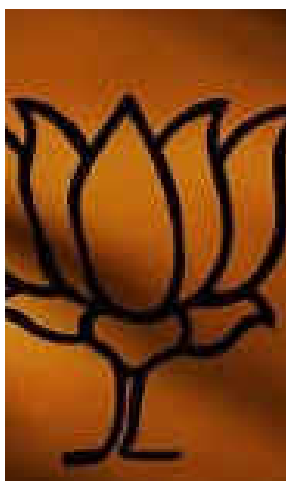

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पुदुचेरी में आगामी 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज करते हुए नौ उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में राज्य के गृह मंत्री ए. नमासिवायम को मन्नादीपेट विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं राज भवन सीट से वी.पी. रामालिंगम को चुनावी मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने अनुभवी और मजबूत चेहरों को प्राथमिकता देते हुए चुनावी रणनीति को धार देने की कोशिश की है।

केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हुआ फैसला

पार्टी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार उम्मीदवारों के नामों पर मुहर केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में चुनावी रणनीति और उम्मीदवारों के चयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

जारी की गई उम्मीदवारों की पूरी सूची

भाजपा द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची इस प्रकार है

- मन्नादीपेट- ए. नमासिवायम
- ओस्सुडू (एससी)- ई. थीप्पैनथन
- कालापेट- पी.एम.एल. कल्याणसुंदरम
- राज भवन- वी.पी. रामालिंगम
- मुदलियारपेट- ए. जॉनकुमार
- मनावेली- एम्बालम आर. सेल्वम
- तिरुनल्लार- जी.एन.एस. राजशेखरन
- नेरावी-टीआर पट्टिनम - टीकेएसएम मीनाक्षी सुंदरम
- माहे - ए. दिनेशन
- आगे और नामों का इंतजार

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह पहली सूची है और आने वाले दिनों में बाकी सीटों के लिए भी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। भाजपा इस चुनाव में पूरी ताकत झोंकते हुए मजबूत प्रदर्शन करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतर रही है।

23 लाख की लूट के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में हुए एक बड़े और सनसनीखेज लूटकांड का पर्दाफाश करते हुए सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने महज 12 दिनों के भीतर शानदार कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में बदमाशों ने एक युवक से बंदूक की नोक पर 23 लाख रुपये लूट लिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से 15.95 लाख रुपये नकद, एक पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस की तत्परता और पेशेवर जांच का बड़ा उदाहरण मानी जा रही है।

घटना 23 फरवरी 2026 की है, जब किशनगंज निवासी कुलदीप शर्मा, जो एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में काम करते हैं, को उनके मालिक द्वारा लॉरेंस रोड, केशवपुरम से 23 लाख रुपये लाने का काम सौंपा गया था। रकम लेकर वह बाइक से अपने कार्यालय लौट रहे थे। शाम करीब 7~40 बजे जैसे ही वह शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचे, तभी दो बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और पिस्तौल दिखाकर नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

सीसीटीवी और खुफिया इनपुट से मिला सुराग

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें आरोपियों की गतिविधियां सामने आईं। फुटेज में देखा गया कि आरोपी पहले से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि इस वारदात में कुल चार लोग शामिल थे, जिनमें से एक पहले ही अलग हो गया था।

खुशियों से गूंजा माहौल; पीएम और राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- रमजान के पूरे 30 रोजों और इबादत के बाद जैसे ही ईद-उल-फितर का चांद नजर आया, पूरे देश में उल्लास और खुशी का माहौल बन गया। मस्जिदों से ईद का ऐलान होते ही लोग सड़कों और मोहल्लों में निकल आए। अकीदतमंदों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और त्योहार की रौनक हर तरफ देखने को मिली।

आपसी भाईचारे और एकता का संदेश

ईद के इस पवित्र अवसर पर लोगों ने प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। परिवारों और दोस्तों के बीच मिलन का सिलसिला शुरू हुआ और जरूरतमंदों की मदद कर इंसानियत की मिसाल भी पेश की गई। यह त्योहार समाज में एकता और करुणा की भावना को और मजबूत करता है।

प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को ईद की हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह त्योहार सभी के जीवन में खुशियां, शांति और सौहार्द लेकर आए। उन्होंने कामना की कि यह दिन समाज में प्रेम और सहयोग की भावना को और प्रगाढ़ करे।

राष्ट्रपति का संदेश- सेवा और संवेदनशीलता का पर्व

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय को ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मसंयम, सेवा और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने का अवसर है। साथ ही उन्होंने अपील की कि इस दिन हम सभी जरूरतमंदों की मदद कर समाज को और मजबूत बनाने का संकल्प लें।

नवरोज पर भी दी बधाई

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारसी समुदाय के प्रमुख त्योहार नवरोज की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि यह नया साल सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और सफलता लेकर आए।

लंबी दूरी के रिश्तों ने बिगाड़ी श्रुति हासन की लव लाइफ एक्ट्रेस ने किया खुलासा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकीं श्रुति हासन ने हाल ही में अपनी निजी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी लव लाइफ का सबसे बड़ा कारण लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप रहा है। शूटिंग, म्यूजिक और लगातार ट्रैवलिंग के चलते रिश्तों को समय देना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में यह समस्या आम है और कई लोगों को इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इंडस्ट्री लाइफ और पर्सनल लाइफ का टकराव

एक्ट्रेस के मुताबिक, जब उन्हें काम से फुर्सत मिलती है, तब तक सामने वाला व्यक्ति अपनी जिंदगी में व्यस्त हो जाता है। ऐसे में रिश्तों में संतुलन बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अगर वह किसी तेलुगु लड़के को डेट करें तो शायद भाषा भी सीख जाएं। यह बयान उनके हल्के-फुल्के और ईमानदार स्वभाव को दर्शाता है।

प्यार में बन जाती हैं 'घरेलू'

श्रुति हासन ने अपने व्यक्तित्व के एक अलग पहलू को साझा करते हुए बताया कि जब वह किसी रिश्ते में होती हैं तो पूरी तरह समर्पित हो जाती हैं। वह अपने पार्टनर का खास ख्याल रखती हैं, उनके लिए खाना बनाती हैं और हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखती हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि वह ऐसा उसी व्यक्ति के लिए करती हैं, जो उनकी भावनाओं की कद्र करता हो।

करियर में व्यस्त, कई बड़ी फिल्में लाइनअप

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। वह सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कुली में दिख चुकी हैं और अब ट्रेन तथा सालार 2 जैसी फिल्मों में नजर आएंगी, जिसमें वह प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

उत्तर जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई- 9 लुटेरे और झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में बढ़ती लूट और झपटमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर जिला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में शामिल कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों पर मोबाइल स्नैचिंग, लूटपाट और चोरी के कई गंभीर आरोप हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की स्कूटी, मोबाइल फोन, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं। यह कार्रवाई राजधानी में सक्रिय संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

अलग-अलग वारदातों में शामिल थे आरोपी

पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई लूट और झपटमारी की घटनाओं में शामिल थे। सब्जी मंडी, सराय रोहिल्ला और कोतवाली इलाकों में हुई कई वारदातों की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद विशेष टीमों का गठन कर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई, जिसमें सभी आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से दबोच लिया गया।

मोबाइल स्नैचिंग और लूट की वारदातों का खुलासा

जांच में सामने आया कि आरोपी राह चलते लोगों को निशाना बनाते थे, खासकर वे लोग जो मोबाइल फोन पर बात करते हुए या सुनसान इलाकों से गुजर रहे होते थे। कई मामलों में आरोपी स्कूटी पर सवार होकर पीछे से आते और झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे। वहीं कुछ मामलों में चाकू या नुकीले हथियार दिखाकर लूटपाट भी की गई।

हथियार और चोरी का सामान बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन चोरी की स्कूटी, 9 मोबाइल फोन, 1500 रुपये नकद और कई जरूरी दस्तावेज बरामद किए हैं। इसके अलावा एक आरोपी के पास से कई संदिग्ध मोबाइल फोन भी मिले, जिनकी जांच जारी है। बरामद सामान से यह साफ है कि आरोपी लंबे समय से इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

नशे की लत ने धकेला अपराध की ओर

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे ज्यादातर पढ़ाई बीच में छोड़ चुके हैं और नशे के आदी हो चुके थे। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने अपराध का रास्ता अपनाया। वे चोरी की दोपहिया गाड़ियों का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम देते थे और बाद में चोरी का सामान बेचकर आपस में पैसे बांट लेते थे।

राजधानी में बड़ा एक्शन- कुख्यात गैंग पर पुलिस का शिकंजा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली में संगठित अपराध के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बाहरी-उत्तरी जिले की पुलिस ने दो अलग-अलग आपराधिक गिरोहों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में कुख्यात टिल्लू ताजपुरिया गिरोह से जुड़े एक सदस्य समेत अन्य बदमाशों को दबोचा गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, नकदी और कीमती सामान बरामद किया है, जिससे इस पूरे नेटवर्क के बड़े पैमाने पर सक्रिय होने का खुलासा हुआ है।

टिल्लू गैंग से जुड़े आरोपी गिरफ्तार

पुलिस की कार्रवाई में प्रदीप कुमार उर्फ नीतू उर्फ सहवाग, जो टिल्लू ताजपुरिया गिरोह से जुड़ा बताया जा रहा है, को उसके तीन साथियों सहित गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों के पास से एक बुलेटप्रूफ स्कॉर्पियो गाड़ी, करीब 19 लाख रुपये नकद, लगभग 900 ग्राम सोना और चांदी बरामद की गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, ये लोग लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे और अवैध तरीकों से संपत्ति जुटा रहे थे।

हथियार सप्लाई करने वाला गिरोह भी बेनकाब

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्तौल और कारतूस की बड़ी खेप बरामद हुई है। दोनों मामलों को मिलाकर पुलिस ने कुल 10 पिस्तौल, एक शॉटगन और 45 कारतूस जब्त किए हैं। यह बरामदगी इस बात का संकेत देती है कि राजधानी में अवैध हथियारों का नेटवर्क अभी भी सक्रिय है, जिसे खत्म करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

कई राज्यों से जुड़े हैं आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी अलग-अलग राज्यों से ताल्लुक रखते हैं। इनमें हरियाणा के करनाल, रोहतक और सोनीपत के निवासी शामिल हैं, जबकि कुछ आरोपी दिल्ली और उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से जुड़े हुए हैं। इससे साफ है कि यह गिरोह अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय था और बड़े नेटवर्क के तहत काम कर रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की गई है, जिसमें नकदी, वाहन और कीमती धातुएं शामिल हैं।

शहीदी दिवस 2026 | शहीदी दिवस पर युवाओं का बड़ा आयोजन

'मेरा युवा भारत' का विशेष अभियान, युवाओं से राष्ट्रनिर्माण की पहल

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- शहीदी दिवस 2026 के अवसर पर दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में मेरा युवा भारत द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई है। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला युवा अधिकारी अंजली चौधरी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उनके साथ कार्यक्रम से जुड़े अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को समर्पित है, जिनके बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

युवाओं में जिम्मेदारी और राष्ट्रनिर्माण का संदेश

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में "MY Bharat, My Responsibility" की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि शहीदों को केवल याद करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना भी उतना ही जरूरी है। इसके तहत युवाओं को सक्रिय नागरिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा के प्रति प्रेरित किया जाएगा।

इस आयोजन में फेयरफील्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी कपसहेड़ा और भदुसरिया गांव (उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिया गया गांव) प्रमुख सहयोगी संस्थाओं के रूप में शामिल हैं। विभिन्न कॉलेजों, युवा क्लबों और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे यह कार्यक्रम व्यापक स्तर पर प्रभाव छोड़ सके।

जागरूकता यात्रा और श्रमदान कार्यक्रम

कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर की जाएगी। इसके बाद 2 से 4 किलोमीटर की जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जो स्नद्धरूञ्ज कैंपस से शुरू होकर कपसहेड़ा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः कैंपस में समाप्त होगी। इस यात्रा में युवा तिरंगा, संदेश-पोस्टर और बैज के साथ भाग लेंगे।

इसके पश्चात सभी प्रतिभागी भदुसरिया गांव में एकत्र होकर स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान करेंगे, जिससे समाज सेवा का संदेश भी दिया जाएगा।

19 मार्च से पोर्टल पर कई डिजिटल गतिविधियां भी शुरू की गई हैं, जिनमें स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित ऑनलाइन क्विज, "Ek Yuva Aisa Bhi" थीम पर रील प्रतियोगिता और सिविक सेंस चैलेंज शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

500 से अधिक युवाओं की भागीदारी

आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम में 500 से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इसे जनभागीदारी वाला अभियान बनाया जा रहा है।

आयोजकों ने कहा कि यह केवल एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन की शुरुआत है, जिसका उद्देश्य युवाओं को अनुशासन, एकता और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाना है। साथ ही सभी नागरिकों और संस्थाओं से अपील की गई है कि वे इसमें सक्रिय रूप से भाग लेकर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं।

प्रधानमंत्री ने बनाया नया रिकॉर्ड- सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेता बने

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए नरेंद्र मोदी अब देश में सबसे लंबे समय तक सरकार का नेतृत्व करने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि केवल समय का आंकड़ा नहीं, बल्कि वर्षों तक लगातार जनसमर्थन, मजबूत नेतृत्व और राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक मानी जा रही है। अब तक प्रधानमंत्री कुल 8931 दिनों तक सरकार के मुखिया के रूप में कार्य कर चुके हैं, जिसमें उनका मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों कार्यकाल शामिल है।

राजनीति

- **इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिनों तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। अब इस आंकड़े को पार करते हुए नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में नया इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।**

रिकॉर्ड के आंकड़ों में नई ऊंचाई

इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिनों तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। अब इस आंकड़े को पार करते हुए नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में नया इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

गुजरात से दिल्ली तक का सफर

नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। लंबे समय तक इस पद पर रहते हुए उन्होंने कई चुनावों में जीत हासिल की और राज्य में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। वर्ष 2014 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभाला और उसके बाद 2019 तथा 2024 में भी लगातार जनादेश प्राप्त किया। उनका यह सफर नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक निरंतरता का उदाहरण माना जाता है।

संघर्षों से सीखा नेतृत्व का पाठ

अपने राजनीतिक जीवन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि जब उन्होंने गुजरात की कमान संभाली, तब राज्य कई चुनौतियों से जूझ रहा था, जिनमें प्राकृतिक आपदाएं और प्रशासनिक समस्याएं शामिल थीं। इन परिस्थितियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए।

विकास और उपलब्धियों का दावा

प्रधानमंत्री के अनुसार, उनके नेतृत्व में गुजरात ने कृषि, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की। वहीं केंद्र में रहते हुए उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्षों में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक मजबूत देश के रूप में उभरा है। उन्होंने महिलाओं, युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस उपलब्धि को नए भारत की नींव बताया और कहा कि प्रधानमंत्री की दशकों की सेवा ने देश को नई दिशा दी है। वहीं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ आगे की राह

यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि देश के नेतृत्व में स्थिरता और निरंतरता का संकेत है। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और देशवासियों के सहयोग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताया।

दिल्ली में वाहन चोरी गिरोह का पर्दाफाश- दो चोर और एक रिसीवर गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में कोतवाली थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो वाहन चोरों और एक चोरी के वाहन खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल और वारदात में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक भी बरामद की है। साथ ही एक वाहन चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है।

कैसे हुई बाइक चोरी की वारदात?

यह मामला 14 मार्च 2026 का है, जब फिरोज त्यागी नामक व्यक्ति ने अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को चांदनी चौक स्थित कूड़ा खट्टा, कटरा नील सीढ़ियों के पास खड़ा किया था। करीब आधे घंटे बाद लौटने पर उन्होंने पाया कि उनकी बाइक वहां से चोरी हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज से मिला अहम सुराग

मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो संदिग्ध युवक एक बाइक पर आते हुए और फिर चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए साफ दिखाई दिए। इसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान के लिए स्थानीय खुफिया तंत्र को सक्रिय किया और तकनीकी जांच शुरू की।

गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस को 15 मार्च को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर चांदनी चौक के प्रिंस गली इलाके में छापेमारी की गई। यहां से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया, जो उसी बाइक पर घूम रहे थे जिसका इस्तेमाल चोरी में किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फुरकान (29 वर्ष) और रिहान (22 वर्ष) के रूप में हुई, जो गाजियाबाद के पसौंडा क्षेत्र के निवासी हैं।

ख़ास ख़बर

नजफगढ़ क्षेत्र में विकास को मिली नई रफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के नजफगढ़ क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए ढांसा गांव की सीमा से झटिकरा तक नजफगढ़ नाले के साथ लगती सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के हाथों संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाओं का विस्तार

इस विकास कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में आवागमन पहले से अधिक सुगम और सुरक्षित होगा। लंबे समय से खराब पड़ी इस सड़क के कारण लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब सड़क के सुदृढ़ीकरण से न केवल यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि आसपास के गांवों को भी बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

क्षेत्रीय विकास की दिशा में अहम पहल

स्थानीय लोगों का मानना है कि यह परियोजना नजफगढ़ क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे व्यापार, परिवहन और दैनिक जीवन से जुड़ी सुविधाओं में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। सरकार द्वारा इस तरह के विकास कार्यों को प्राथमिकता दिए जाने से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिल रही है।

गोयला डेयरी में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के द्वारका क्षेत्र से सटे गोयला डेयरी इलाके में एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है। यह मामला छावला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बताया जा रहा है, जहां घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों ने इस मामले में जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्होंने जब पहली बार पुलिस को घटना की जानकारी दी, तब मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। परिवार के मुताबिक, न तो तुरंत मेडिकल जांच कराई गई और न ही आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। इससे यह सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर शुरुआती स्तर पर लापरवाही क्यों बरती गई।

सुप्रीम कोर्ट से एल्विश यादव को राहत

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- साल 2023 में नोएडा में आयोजित एक कथित पार्टी को लेकर यूट्यूबर एल्विश यादव पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। आरोप था कि पार्टी में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल किया गया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस केस ने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

अब इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए दर्ज एफआईआर को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, वे कानूनी रूप से मजबूत नहीं थीं। विशेष रूप से एक्ट के तहत जिस पदार्थ का जिक्र किया गया, वह कानून की निर्धारित सूची में शामिल ही नहीं है।

सबूतों की कमी बनी वजह

अदालत ने यह भी पाया कि मामले में एल्विश यादव के खिलाफ कोई ठोस बरामदगी नहीं हुई थी। चार्जशीट में केवल आरोपों के आधार पर केस आगे बढ़ाया गया, जो न्यायिक जांच में टिक नहीं पाया। इसी आधार पर कोर्ट ने एफआईआर को रद्द करने का निर्णय लिया।

वन्यजीव कानून पर भी टिप्पणी

कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण कानून का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई के लिए अधिकृत अधिकारी की शिकायत जरूरी होती है। मौजूदा मामले में इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था, जिससे एफआईआर कानूनी रूप से कमजोर साबित हुई।

पालम अग्निकांड- अवैध पार्किंग और सुरक्षा लापरवाही बनी 9 मौतों की वजह

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के पालम स्थित राम चौक में हुए भीषण अग्निकांड ने शहर में व्यावसायिक इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दर्दनाक हादसे में 9 लोगों की जान चली गई, जहां आग से ज्यादा घातक साबित हुई प्रशासनिक लापरवाही, अवैध पार्किंग का अतिक्रमण और अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान दमकल विभाग को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिससे राहत कार्य में देरी हुई और स्थिति और भयावह बन गई।

दमकल और एनडीआरएफ अधिकारियों के मुताबिक, घटनास्थल तक पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहन बने। द्वारका रोड और फ्लाईओवर के नीचे खड़ी व्यावसायिक गाड़ियों ने रास्ता पूरी तरह जाम कर दिया था। भारी-भरकम हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड वाहन मौके तक पहुंच ही नहीं पाए। इतना ही नहीं, एक हाइड्रोलिक गाड़ी तकनीकी खराबी के कारण वापस लौट गई, जबकि दूसरी गाड़ी को पहुंचने में काफी समय लग गया, जो इस हादसे में फंसे लोगों के लिए जानलेवा साबित हुआ। राम चौक मार्केट तक जाने वाला रास्ता पहले से ही अवैध पार्किंग का केंद्र बना हुआ था।

दिन में एक ओर ट्रक खड़े रहते हैं, जबकि रात में दोनों तरफ वाहनों की कतार लग जाती है, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और बड़े वाहनों का निकलना लगभग असंभव हो जाता है।

हरियाणा की बेटी भावना कौशिक ने रचा इतिहास, असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर परीक्षा में हासिल की शानदार रैंक

गुड़गांव/वीके शर्मा/- बदलते दौर के साथ हरियाणा की तस्वीर भी तेजी से बदल रही है, जहां कभी बेटियों की शिक्षा को सीमित माना जाता था, वहीं अब वही बेटियां हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। इसी बदलाव की मिसाल पेश करते हुए खंडेवला गांव की रहने वाली भावना कौशिक ने हरियाणा लोक सेवा आयोग की असिस्टेंट ट्रेजरी ऑफिसर परीक्षा में 35वां स्थान हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम गर्व से ऊंचा कर दिया है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक मानी जा रही है।

परिवार के सहयोग से हासिल की सफलता

भावना कौशिक की इस सफलता के पीछे उनके परिवार का मजबूत सहयोग और संस्कारों की अहम भूमिका रही है। उनकी माता ऋतु शर्मा के अनुसार, भावना को बचपन से ही अपने दादा सत्यप्रकाश कौशिक और दादी भगवानी देवी का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिला, जिसने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। परिवार के सकारात्मक माहौल में पली-बढ़ी भावना ने हमेशा अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दी और लगातार मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

शिक्षा को बनाया प्राथमिकता, लक्ष्य पर रखा फोकस

भावना ने अपनी सफलता का श्रेय निरंतर मेहनत, अनुशासन और स्पष्ट लक्ष्य को दिया है। उनका मानना है कि अगर मन में दृढ़ संकल्प हो तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती। उन्होंने यह भी कहा कि वह आगे चलकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और मानवीय मूल्यों की रक्षा करने के लिए अपने कर्तव्यों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगी।

गांव और परिवार में खुशी का माहौल

भावना कौशिक की इस बड़ी उपलब्धि से उनके परिवार, रिश्तेदारों और गांव के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पूरे गांव में जश्न जैसा माहौल है और लोग इस सफलता को हरियाणा की बेटियों के लिए एक नई प्रेरणा के रूप में देख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भावना की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

बदलते हरियाणा की नई पहचान

भावना कौशिक की सफलता इस बात का प्रतीक है कि अब हरियाणा में बेटियां भी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। शिक्षा और समान अवसर मिलने से राज्य की प्रगति को नई गति मिल रही है और समाज में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

एक दिन, तीन मैराथन-बहादुरगढ़ के धावकों ने दिखाया दम, हर मंच पर जीते दिल

बहादुरगढ़/उमा सक्सेना/- हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मेहनत और जुनून के दम पर हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने एक ही दिन में तीन अलग-अलग मैराथन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर न सिर्फ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि कई पदक जीतकर क्षेत्र का नाम भी रोशन किया। यह उपलब्धि खेल जगत में उनकी बढ़ती पहचान और समर्पण का प्रमाण मानी जा रही है।

पंजाब में शहीद-ए-आज़म मैराथन में शानदार उपलब्धि

पंजाब के माहिलपुर में आयोजित शहीद-ए-आज़म भगत सिंह मैराथन में क्लब के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में राजेश कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि कृष्णा राणा दूसरे स्थान पर रहे। वहीं सरिका यादव ने 40-50 आयु वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी फिटनेस और निरंतरता का परिचय दिया। रोहतास कुमार चौथे स्थान पर रहे। इसके अलावा ब्रह्म प्रकाश मान ने 21 किलोमीटर की दौड़ को 1 घंटा 32 मिनट में पूरा कर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया, जबकि राज कपूर मोर ने 10 किलोमीटर की दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की।

गुरुग्राम टफमैन हाफ मैराथन में भी दिखी मजबूती

गुरुग्राम में आयोजित टफमैन हाफ मैराथन में भी क्लब के धावकों की जबरदस्त भागीदारी देखने को मिली। इस प्रतियोगिता में कई धावकों ने हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन किया। संदीप ने 10 किलोमीटर दौड़ में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि गुलाब सिंह ने 21 किलोमीटर में 1 घंटा 28 मिनट के समय के साथ अपनी श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं विहान छिल्कर ने बच्चों की श्रेणी में पहला स्थान हासिल कर सबका ध्यान आकर्षित किया। नरेंद्र जांगड़ा ने 10 किलोमीटर दौड़ में ओवरऑल दूसरा स्थान और आयु वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। देवेश ने भी 21 किलोमीटर दौड़ पूरी कर अपनी क्षमता का परिचय दिया।

एक अन्य आयोजन हाफ मैराथन में भी बहादुरगढ़ के धावकों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस इवेंट में जितेंद्र गौतम ने 5 किलोमीटर दौड़ पूरी की, जबकि अभिमन्यु हुड्डा ने इसी श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल कर क्लब के प्रदर्शन को और मजबूत बनाया। संचालक दीपक छिल्कर ने कहा कि एक ही दिन में तीन अलग-अलग स्थानों पर धावकों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि बहादुरगढ़ के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि समूह का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करना नहीं, बल्कि लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है।

आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली के समावेशन विषय पर आयोजित किया गया

भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- भारतीय शिक्षा व्यवस्था में परंपरागत ज्ञान को आधुनिक पाठ्यक्रम से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत छह दिवसीय आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली के समावेशन विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आए शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से संबंधित संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में किया गया और इसका समापन एक गरिमामय समारोह में हुआ।

शिक्षकों को मिला भारतीय ज्ञान प्रणाली का गहन प्रशिक्षण

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की गहराई, उसके ऐतिहासिक महत्व और आधुनिक शिक्षा में उसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार प्राचीन भारतीय ज्ञान को वर्तमान पाठ्यक्रम में समाहित कर शिक्षा को अधिक समृद्ध और उपयोगी बनाया जा सकता है। प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कार्यशाला से उन्हें नई दिशा और दृष्टिकोण मिला है, जिसे वे अपने शिक्षण कार्य में लागू करेंगे।

विशेष अतिथियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार

समापन समारोह में उपस्थित विद्वानों और अतिथियों ने भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में विज्ञान, दर्शन और शिक्षा का विशाल भंडार मौजूद है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा में शामिल करना समय की मांग है।

नई शिक्षा नीति के अनुरूप बदलाव की जरूरत

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि बदलते समय के साथ शिक्षा प्रणाली में भारतीय मूल्यों और परंपराओं को शामिल करना आवश्यक है।

वक्ताओं ने कहा कि मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने से विद्यार्थियों को विषयों की बेहतर समझ मिलती है और इससे ज्ञान अधिक प्रभावी बनता है। शिक्षकों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

देशभर से आए प्रतिभागियों की रही सक्रिय भागीदारी

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 65 शिक्षकों और शोधार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने विभिन्न सत्रों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान संवाद, चर्चा और अनुभव साझा करने के माध्यम से प्रतिभागियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने और उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रगान के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और शांति पाठ के साथ किया गया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में भारतीय शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में सहायक साबित होगा।

बादशाहपुर रैली में विकास का संकल्प- मुख्यमंत्री ने दी नई परियोजनाओं की सौगात

गुरुग्राम/उमा सक्सेना/- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बादशाहपुर में आयोजित विकसित रैली में भाग लेते हुए प्रदेश के विकास और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं और परियोजनाओं की घोषणा की। बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने इस कार्यक्रम को जनसमर्थन और उत्साह के साथ सफल बनाया।

नवरात्र के पावन अवसर पर गरीबों को मिला अपना घर

चैत्र नवरात्र के पावन पर्व के चौथे दिन मुख्यमंत्री ने जरूरतमंद परिवारों को उनके सपनों का घर सौंपकर उन्हें बड़ी सौगात दी। इस पहल को सरकार की गरीब कल्याण नीति का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर व्यक्ति को बेहतर जीवन सुविधा उपलब्ध कराना है।

विकास परियोजनाओं से क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार

कार्यक्रम के दौरान बादशाहपुर क्षेत्र के विकास को लेकर कई नई योजनाओं की घोषणा की गई। इन योजनाओं के जरिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सुविधाओं का विस्तार करने और क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में यह क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

'विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ा रहा हरियाणा

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा इस लक्ष्य को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के हर नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंदौर अग्निकांड- इलेक्ट्रिक कार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सिलेंडर धमाकों में 8 की मौत

मध्य प्रदेश/उमा सक्सेना/- मध्य प्रदेश के इंदौर में बुधवार तड़के एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। बंगाली चौराहे के पास स्थित एक रिहायशी कॉलोनी में इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग के दौरान हुए शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इस भयावह घटना में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

चार्जिंग के दौरान चिंगारी बनी हादसे की वजह

प्रारंभिक जांच के अनुसार, घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार रात में चार्जिंग पर लगी हुई थी। सुबह करीब 4 बजे अचानक चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कार में आग भड़क उठी। आग तेजी से फैलती हुई घर के अंदर पहुंच गई और वहां रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया।

एक के बाद एक फटे 4 सिलेंडर

आग लगते ही घर में रखे गैस सिलेंडरों में जोरदार विस्फोट होने लगे। बताया जा रहा है कि कुल चार सिलेंडर एक-एक कर फट गए, जिससे इलाके में जोरदार धमाके सुनाई दिए। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया और अंदर मौजूद लोगों

को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

पारिवारिक कार्यक्रम के कारण बढ़ी जनहानि

घटना के समय घर में पारिवारिक कार्यक्रम चल रहा था, जिसके चलते कई रिश्तेदार भी मौजूद थे। इसी वजह से हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अधिक हो गई। राहत और बचाव कार्य के दौरान कुछ लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन कई लोग आग और धुएं की चपेट में आ गए।

रेस्क्यू में आई मुश्किलें, इलेक्ट्रॉनिक लॉक बने बाधा

जांच में यह भी सामने आया कि घर में इलेक्ट्रॉनिक लॉक लगे हुए थे, जो आग के दौरान बिजली कटने से काम नहीं कर सके। इससे अंदर फंसे लोगों को बाहर निकलने में भारी दिक्कत हुई। बचाव दल को दरवाजे तोड़कर लोगों को निकालना पड़ा।

गैस सिलेंडरों

- प्रारंभिक जांच के अनुसार, घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक कार रात में चार्जिंग पर लगी हुई थी। सुबह करीब 4 बजे अचानक चार्जिंग पॉइंट में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे कार में आग भड़क उठी। आग तेजी से फैलती हुई घर के अंदर पहुंच गई और वहां रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रशासन और राहत टीम मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पाने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम तेजी से किया गया। फिलहाल हादसे के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

साध नगर में भीषण आग, इमारत में फंसे एक ही परिवार के 9 लोग

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के साध नगर इलाके में बुधवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक रिहायशी इमारत में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि एक ही परिवार के नौ सदस्य अंदर ही फंस गए। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और लोग घरों से बाहर निकल आए।

दमकल और पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, दिल्ली पुलिस और एंबुलेंस की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझाने के साथ-साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इमारत में घुसे धुएं के कारण हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए, लेकिन राहत टीम लगातार फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

धुएं ने बढ़ाई मुश्किलें

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आग बिल्डिंग के एक हिस्से से शुरू हुई, जिसके बाद धुआं तेजी से पूरे भवन में फैल गया। इसी वजह से परिवार के सदस्य बाहर नहीं निकल पाए और अंदर ही फंस गए। मौके पर मौजूद टीमें सुरक्षा उपकरणों के साथ अंदर प्रवेश कर लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रही हैं।

कारणों की जांच जारी

फिलहाल आग लगने के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया जाएगा। इसके साथ ही घटना की जांच भी शुरू कर दी गई है, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

ख़ास ख़बर

होर्मुज से सुरक्षित लौटे भारतीय जहाज

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। कतर और यूएई से एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। संवेदनशील होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के बावजूद इन जहाजों का सुरक्षित पहुंचना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, करीब 46,000 टन एलपीजी लेकर चला टैंकर 'शिवालिक' अपनी यात्रा पूरी करते हुए मुंद्रा बंदरगाह पहुंच चुका है। वहीं इसी क्षमता के साथ कतर के रास लाफान से निकला 'नंदा देवी' टैंकर आज कांडला पोर्ट पहुंचने वाला है। इसके अलावा 'जग लाडकी' नामक एक अन्य जहाज भी जल्द ही मुंद्रा पहुंचने की संभावना है। ये सभी जहाज देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

वायरल वीडियो पर दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, इंस्पेक्टर को हटाया गया

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे एक वीडियो को लेकर पुलिस विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। इस वीडियो में एक पुलिस अधिकारी कथित तौर पर यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि नशे से जुड़े मामलों और अन्य अपराधों में पकड़े गए लोगों को जनप्रतिनिधियों के दबाव में छोड़ दिया जाता है। वीडियो के सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत सफाई जारी की।

पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वीडियो में जो बातें कही गई हैं, वे पूरी तरह तथ्यों से परे हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उक्त टिप्पणी इंस्पेक्टर राजीव द्वारा निजी तौर पर की गई थी और इसका दिल्ली पुलिस की आधिकारिक कार्यप्रणाली से कोई संबंध नहीं है। उस समय इंस्पेक्टर राजीव, नियमित की अनुपस्थिति में थाना भारत नगर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से इंस्पेक्टर राजीव को पद से हटा दिया है और उन्हें जिला लाइन भेज दिया गया है। विभाग ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही या गैर-जिम्मेदार बयानबाजी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने साफ किया कि वह पूरी पारदर्शिता और कानून के दायरे में रहकर काम करती है। हर मामले में कार्रवाई केवल तथ्यों और सबूतों के आधार पर की जाती है, किसी भी बाहरी दबाव को स्वीकार नहीं किया जाता।

सिविक सेंटर के बाहर सफाई कर्मचारियों का उग्र प्रदर्शन

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित एमसीडी मुख्यालय के बाहर शुक्रवार को सफाई कर्मचारियों का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला, जहां सैकड़ों की संख्या में जुटे कर्मियों ने निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखते आ रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। मजबूरी में उन्हें सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है।प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जाता, जिससे उनके परिवार के भरण-पोषण में भारी दिक्कतें आती हैं। इसके अलावा कई कर्मचारी वर्षों से अस्थायी रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक स्थायी नहीं किया गया है। कर्मचारियों की मांग है कि ऐसे सभी कर्मियों को जल्द से जल्द पक्का किया जाए, ताकि उन्हें नौकरी की सुरक्षा मिल सके और उनका भविष्य सुरक्षित हो।

इस दौरान ठेकेदारी प्रथा को लेकर भी कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के चलते उन्हें उचित वेतन, सुविधाएं और अधिकार नहीं मिल पाते, जिससे उनका शोषण होता है। कर्मचारियों ने साफ शब्दों में मांग रखी कि ठेकेदारी सिस्टम को खत्म कर सीधे भर्ती की व्यवस्था लागू की जाए।

सफाई कर्मियों ने यह भी कहा कि वे रोजाना जोखिम भरे माहौल में काम करते हैं, ऐसे में उनके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और बीमा व्यवस्था बेहद जरूरी है। प्रदर्शन के दौरान यूनियन नेताओं और कर्मचारियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह आंदोलन केवल विरोध नहीं, बल्कि अपने हक की लड़ाई है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

आगरा में गैस संकट गहराया, ब्लैक मार्केट में दोगुनी कीमत पर बिक रहे सिलिंडर

आगरा/उमा सक्सेना/- ताजनगरी आगरा में रसोई गैस की भारी किल्लत ने आम जनता और छोटे कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। घरेलू एलपीजी सिलिंडर, जिसकी तय कीमत लगभग 923 रुपये है, वह खुलेआम 1700 से 1900 रुपये तक में बेचा जा रहा है। गैस आपूर्ति में बाधा और तकनीकी खामियों का फायदा उठाकर कालाबाजारी करने वाले सक्रिय हो गए हैं, जिससे हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। सबसे ज्यादा असर पेठा उद्योग, हलवाई, डेयरी संचालक और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों पर पड़ा है, जिन्हें मजबूरी में महंगे दामों पर सिलिंडर खरीदना पड़ रहा है। गैस बुकिंग के लिए उपयोग होने वाली आईवीआरएस सेवा और मोबाइल एप अचानक ठप हो गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सर्वर पर अधिक लोड के चलते ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया बाधित हो गई है। इस तकनीकी गड़बड़ी का फायदा उठाकर बिचौलिए और हॉकर गैस सिलिंडर की कालाबाजारी कर रहे हैं, जबकि आम लोग बुकिंग तक नहीं कर पा रहे हैं।

होली

- गैस बुकिंग के लिए उपयोग होने वाली आईवीआरएस सेवा और मोबाइल एप अचानक ठप हो गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तेल कंपनियों द्वारा लागू की गई ओटीपी आधारित डिलीवरी व्यवस्था भी अब उपभोक्ताओं के लिए मुसीबत बन गई है। सर्वर में खराबी के कारण लोगों के मोबाइल पर ओटीपी नहीं पहुंच रहा, जिसके बिना गैस सिलिंडर की डिलीवरी नहीं की जा रही। इससे स्थिति और गंभीर हो गई है और लोगों को मजबूरन ब्लैक में गैस खरीदनी पड़ रही है।

गोदामों पर लंबी कतारें, फिर भी खाली हाथ लौटे लोग

शहर के विभिन्न गैस गोदामों के बाहर सुबह से ही लोगों की भीड़ देखी जा रही है। बिचपुरी रोड स्थित गोदामों पर सुबह 6 बजे से लोग खाली सिलिंडर लेकर इंतजार करते रहे, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें गैस नहीं मिल सकी। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक सिलिंडर नहीं मिल पाया है, जिससे उनके घरों में खाना बनाना तक मुश्किल हो गया है।

जिला प्रशासन ने गैस सिलिंडर की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। संबंधित अधिकारियों के अनुसार, दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है और लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही, हॉकर्स और बिचौलियों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है ताकि स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके।

सब्जी मंडी में स्नैचर गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सक्रिय मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से इलाके में वारदातों को अंजाम दे रहा था और उसके खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

डिलीवरी बॉय से दिनदहाड़े लूट

घटना 1 मार्च 2026 की है, जब महाराष्ट्र निवासी एक युवक, जो दिल्ली में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है, अपने काम पर निकला हुआ था। वह स्कूटी से प्रताप नगर की ओर जा रहा था और रास्ता देखने के लिए मोबाइल फोन स्टैंड पर लगा रखा था। इसी दौरान रानी झांसी फ्लाईओवर के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने पीछे से आकर उसका मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गए। मामले की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस ने तुरंत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के फुटेज खंगाले, जिससे आरोपियों के बारे में अहम जानकारी मिली। पता चला कि वारदात लाल रंग की मोटरसाइकिल पर सवार होकर की गई थी। इसके बाद पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई।

आरोपी की गिरफ्तारी और बरामदगी

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 12 मार्च को पुल डफरिन के पास से आरोपी रविंदर उर्फ हशप्रीत को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से वही मोबाइल फोन बरामद हुआ, जो वारदात में छीना गया था। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि उसने अपने साथी रामअवतार के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था।

15 मामलों में शामिल, साथी फरार

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी रविंदर पहले भी करीब 15 मामलों में शामिल रह चुका है, जिनमें स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। उसका साथी रामअवतार अभी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कांग्रेस में उठे मतभेद के स्वर, विधायक कुलदीप वत्स के बयान से सियासत गरम

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- हरियाणा की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स के वोट रद्द होने की चर्चाएं सामने आईं। हालांकि बाद में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका वोट निरस्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है।

'पार्टी में मेहनत करने वालों की नहीं होती कद्र'

मीडिया से बातचीत के दौरान कुलदीप वत्स ने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। उन्होंने कहा कि पार्टी में मेहनत और समर्पण से काम करने वाले नेताओं को उचित सम्मान नहीं मिलता, जबकि संगठन को कमजोर करने वालों को अधिक महत्व दिया जाता है। उनका मानना है कि यही कारण है कि पार्टी की दिशा भटकती नजर आ रही है।

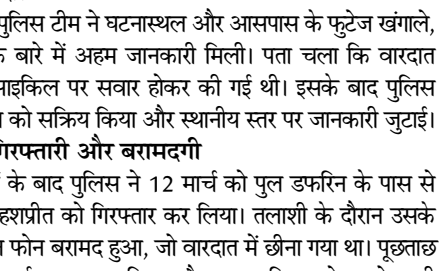

वोट विवाद पर जताई नाराजगी

वोट रद्द होने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए वत्स ने कहा कि इस पूरे मामले ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत किया है। उन्होंने संकेत दिए कि पार्टी नेतृत्व को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि क्रॉस वोटिंग जैसी स्थितियों से कैसे निपटा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहकर काम किया है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया है।

भविष्य को लेकर अनिश्चितता

कुलदीप वत्स ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल वह पार्टी में बने रहेंगे या नहीं, इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि समय के साथ स्थिति स्पष्ट होगी। उनके इस बयान से यह संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिनों में पार्टी के भीतर और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

लूटपाट चार आरोपियों को दबोचा, तीन नाबालिग शामिल

लाहौरी गेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली के लाहौरी गेट थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए लूटपाट करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में एक मुख्य आरोपी समेत कुल चार लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें तीन नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस गिरोह के पकड़े जाने से लूट, चोरी और मारपीट से जुड़े तीन मामलों का खुलासा हुआ है।

दिनदहाड़े नयाबाजार में हुई थी वारदात

घटना 8 मार्च 2026 की है, जब पुलिस को लूट की सूचना मिली। मौके पर पहुंची टीम को पीड़ित अभिषेक कृष्ण ने बताया कि वह एसबीआई क्रेडिट के रिकवरी विभाग में काम करता है और दिल्ली के मोती नगर में किराए पर रहता है। वह अपने दोस्त से मिलने नयाबाजार जा रहा था, तभी दोपहर करीब 1 बजे

चार युवकों ने उसे घेर लिया। एक आरोपी ने उसे पकड़ लिया जबकि अन्य ने उसका वीवो मोबाइल फोन, पर्स, नकदी और जरूरी दस्तावेज लूट लिए और मौके से फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान चार संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद खुफिया सूत्रों की मदद ली गई, जिन्होंने आरोपियों की पहचान नवेद खान उर्फ लंबू और उसके तीन साथियों के रूप में की। पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन आरोपी लगातार फरार हो रहे थे।

नॉवेल्टी सिनेमा के पास से गिरफ्तारी

लगातार निगरानी और सूचना तंत्र के जरिए 10 मार्च की शाम पुलिस ने सभी आरोपियों को एसपीएम मार्ग स्थित नॉवेल्टी सिनेमा के पास से दबोच लिया। तलाशी के दौरान मुख्य आरोपी नवेद खान के पास से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया। इसके अलावा उसके घर से एक और चोरी का मोबाइल फोन मिला, जो कश्मीरी गेट मेट्रो क्षेत्र में दर्ज एक अन्य मामले से जुड़ा हुआ है।

पूछताछ में कई मामलों का खुलासा

पूछताछ के दौरान पता चला कि नवेद खान इस गिरोह का सरगना है और पिछले एक साल से अपने साथियों के साथ मिलकर लूट और चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। सभी आरोपी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में कैटरिंग मजदूर के रूप में काम करते थे और उसी दौरान मौके देखकर अपराध करते थे। आरोपियों ने कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर जेबतराशी और कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति पर चाकू से हमला करने की घटना को भी कबूल किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी नवेद खान नशे और शराब का आदी है। अपनी लत को पूरा करने के लिए वह लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया। वहीं तीनों नाबालिग आरोपी भी स्कूल छोड़ चुके हैं और छोटे-मोटे काम करते हुए अपराध की दुनिया में कदम रख चुके हैं। पुलिस के अनुसार इस गिरोह की गिरफ्तारी से लाहौरी गेट, कश्मीरी गेट मेट्रो और कोतवाली थाना क्षेत्रों में दर्ज तीन अलग-अलग मामलों का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस अन्य मामलों में भी इनकी संलिप्तता की जांच कर रही है

बंगाल में 'रोटी-बेटी-माटी' का नया नारा

चुनाव आयोग ने रविवार को असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव का ऐलान कर दिया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 व 29 अप्रैल को मतदान होगा जबकि शेष चार राज्यों में मतदान एक ही चरण में नौ अप्रैल को होगा लेकिन सभी राज्यों के चुनाव परिणाम एक साथ चार मई को आएंगे। इन राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान भले ही आज किया गया है लेकिन सभी राजनीतिक दल पहले से ही चुनावी तैयारियों में जुटे हैं। इसी क्रम में शनिवार को विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने पश्चिम बंगाल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'रोटी-बेटी-माटी' का नया नारा देकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को कटघरे में खड़ा कर दिया। दरअसल ममता बनर्जी ने वामपंथियों के 34 साल पुराने गढ़ को अपने एक जादुई नारे 'मां-माटी-मानुष' के दम पर ध्वस्त किया था। इसी नारे की बदौलत वह लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं लेकिन अब बंगाल के चुनावी रण में ममता का तिलिस्म तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'रोटी-बेटी-माटी' का ब्रह्मास्त्र चल दिया है। यह कोई तुकबंदी नहीं है। इसके पीछे एक बहुत गहरी और सोची-समझी रणनीति है। राजनीति में जब एंटी इनकमबेंसी चरम पर होती है तो पुराने नारे अपना असर खोने लगते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता की रैली में सबसे पहला वार इसी बात पर किया। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि जिस 'मां-माटी-मानुष' के नाम पर टीएमसी सत्ता में आई थी। आज वह पूरी तरह विफल है। उन्होंने इस नारे की जमीनी हकीकत बताते हुए कहा कि आज बंगाल में मां रो रही है, माटी को लूटा जा रहा है और बंगाली मानुष अपना ही राज्य छोड़ने पर मजबूर हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान आम बंगाली को ये अहसास दिलाने की कोशिश है कि जिस नारे पर उसने आंख बंद करके भरोसा किया था वह असल में एक राजनीतिक छलावा था। ममता बनर्जी के नारे को खारिज करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जो नया नारा दिया है वह हवा-हवाई नहीं है। यह सीधे आम आदमी के पेट, परिवार और प्रॉपर्टी से जुड़ा मामला है। कांग्रेस, वामपंथी, टीएमसी ने हमेशा घुसपैठियों का साथ देकर यहां की 'रोटी-बेटी-माटी' को खतरे में डाला और दशकों तक मूल निवासियों को उनकी ही जमीन के हक से दूर रखा। मोदी ने कहा कि घुसपैठियों की वजह से आज स्थानीय लोगों का रोजगार छिन रहा है। जब बाहर से अवैध रूप से लोग आकर बसते हैं तो वे सस्ते मजदूर बन जाते हैं और स्थानीय संसाधनों पर कब्जा कर लेते हैं। इसका सीधा नुकसान राज्य के मूल निवासी चाहे वे हिन्दू हों या मुसलमान सभी को उठाना पड़ता है। रोटी शब्द उस युवा और उस गरीब पिता की हताशा को जुबान दे रहा है जो दिन-रात पसीना बहाने के बाद भी अपने परिवार का पेट पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। बंगाल में बेटी की सुरक्षा का सवाल भी सबसे धारदार और मारक पहलू है। किसी भी परिवार के लिए उसकी बेटी का सम्मान और सुरक्षा से बढ़कर कुछ नहीं होता। बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां की कमान एक महिला मुख्यमंत्री के हाथ में है लेकिन फिर भी वहां बेटियां सेबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। भाजपा संदेशखाली जैसी बहुचर्चित घटनाओं को आधार बनाकर यह साबित कर रही है कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद बंगाल में बेटियां डर के साए में जी रही हैं। इसी प्रकार माटी का मतलब सिर्फ एक टुकड़ा जमीन नहीं, बल्कि बंगाल की संस्कृति, वजूद और अस्मिता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुत ही गंभीर आरोप लगाया कि बंगाल के लोगों की जमीनों पर घुसपैठियों को कब्जा दिलाया जा रहा है। यह सीधा इशारा राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे डेमोग्राफी के बदलाव की तरफ है। मोदी ने चेतावनी दी कि कई क्षेत्रों में डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है और बंगाली हिन्दू अपने ही घर में अल्पसंख्यक बन रहे हैं। इसी लोगों को एक साथ लाने की कोशिश है।

नई श्रम संहिताएं : श्रमिक कल्याण से कंपनियों की समृद्धि तक

सामयिक

डॉ. नंद किशोर गर्ग

भारत में चार नई श्रम संहिताओं ने श्रमिकों के जीवन को सुरक्षित और समृद्ध बनाते हुए कॉर्पोरेट जगत के लिए दीर्घकालिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। 21 नवंबर 2025 से देशव्यापी रूप से लागू इन संहिताओं–मजदूरी संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थिति संहिता-ने 29 पुराने जटिल कानूनों को एकीकृत कर श्रम सुधारों का स्वर्णिम अध्याय शुरू किया है। इनसे 77 लाख नई नौकरियां सृजित होने और 85 प्रतिशत श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलने का अनुमान है।

आर्थिक सुरक्षा के मजबूत स्तंभ–नई श्रम संहिताओं ने श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। मजदूरी संहिता के तहत न्यूनतम वेतन की पुष्टि के साथ मूल वेतन को कुल पारिश्रमिक का कम से कम 50 प्रतिशत अनिवार्य किया गया, जिससे भविष्य निधि, पेंशन और ग्रेच्युटी पर अंशदान बढ़ा–40 करोड़ से अधिक श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ। ग्रेच्युटी का अधिकार अब मात्र एक वर्ष की सेवा के बाद मिलता है, पहले की पांच वर्ष की सख्ती समाप्त हो गई, जबकि फिक्स्ड-टर्म कर्मचारियों को भी समान हक सुनिश्चित हुआ। ओवरटाइम पर दोगुना भुगतान (8 घंटे से अधिक काम पर प्रति घंटा दोगुनी मजदूरी) ने विशेषकर रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर और विनिर्माण क्षेत्रों के मजदूरों को आर्थिक सशक्तिकरण दिया। लचीले कार्य घंटे–लिखित सहमति से 8-12 घंटे प्रतिदिन, अधिकतम 48 साप्ताहिक–ने कार्य संस्कृति को मानवीय रूप प्रदान किया, बीड़ी-सिगार जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी आधुनिकता आई। नियुक्ति पत्र अनिवार्य होने से वेतन पारदर्शिता बढ़ी, 7 तारीख तक भुगतान सुनिश्चित हुआ।

सामाजिक सुरक्षा का व्यापक जाल–ठेके वाले, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म श्रमिकों (Uber-Zomato डिलीवरीकर्मी) को पहली बार पूर्ण कानूनी मान्यता मिली, जो असंगठित क्षेत्र के 50 करोड़ श्रमिकों के लिए ऐतिहासिक कदम है। सामाजिक सुरक्षा संहिता ने चिकित्सा बीमा, मातृत्व लाभ, पेंशन, मृत्यु/अपंगता सहायता तथा ई-श्रम पोर्टल आधारित कौशल विकास सुनिश्चित किया-90-120 दिन काम पर ही लाभ प्रारंभ। ठेके कर्मचारियों को स्थायी समकक्ष सुविधाएं (छुट्टी, चिकित्सा) मिलीं, सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच अनिवार्य हुई। परिवार परिभाषा का विस्तार कर अधिक आश्रितों (करीबी रिश्तेदार) को कवरेज बढ़ा, बागान-वस्त्र श्रमिकों के लिए शिक्षा-चिकित्सा गारंटी जुड़ी। व्यावसायिक सुरक्षा संहिता ने उच्च जोखिम क्षेत्रों में मुफ्त वार्षिक जांच, पीपीई किट, सुरक्षित उपकरण और 100 प्रतिशत दुर्घटना कवरेज (आना-जाना दुर्घटनाएं भी शामिल) अनिवार्य किया। डॉक कामगारों को पीएफ-पेंशन-मेडिकल लाभ, वस्त्र क्षेत्र में पीडीएस पोर्टेबिलिटी और बकाया दावा प्रक्रिया सरल हुई।

समावेशिता व सशक्तिकरण का नया युग–महिलाओं, ट्रांसजेंडर और कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण इन संहिताओं की आत्मा है। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में सहमति-आधारित छूट (परिवहन-सुरक्षा प्रोटोकॉल सहित), समान कार्य-समान वेतन तथा खनन-निर्माण-मशीनरी क्षेत्रों में पूर्ण प्रवेश मिला–शिकायत समितियों में महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य। ट्रांसजेंडर श्रमिकों पर लिंग भेदभाव पूर्ण प्रतिबंध लगा, समान अधिकार-सुरक्षा सुनिश्चित हुई। निरीक्षक-सुविधाप्रदाता प्रणाली ने दंड से सहयोगी मार्गदर्शन की ओर रुख किया, डिजिटल अनुपालन (सिंगल रिटर्न-लाइसेंस) से नौकरी छोड़ने की दर 12-14 प्रतिशत घटी। कौशल विकास के लिए पीएमकेवीवाई जैसी योजनाएं एमएसएमई में पीने का पानी, कैंटीन, आरामगाह प्रदान कर रहीं–निर्यात क्षेत्र में 180 दिन बाद छुट्टी गारंटी। खतरनाक उद्योगों में राष्ट्रीय मानक लागू हुए। ये प्रावधान न केवल उत्पादकता बढ़ा रहे, बल्कि श्रमिक गरिमा को नई ऊंचाई दे रहे हैं।कंपनियों पर प्रारंभिक निवेश, स्थायी लाभ कॉर्पोरेट क्षेत्र ने इन संहिताओं को अवसर के रूप में अपनाया। आईटी दिग्गज टीसीएस ने 2,128 करोड़ रुपये (1,800 करोड़ ग्रेच्युटी, 300 करोड़ अवकाश नकदीकरण), इंफोसिस ने 1,289 करोड़, एचसीएल टेक ने 956 करोड़ तथा विप्रो ने 303 करोड़ का प्रावधान किया। टेक महिन्द्रा व एलटीआईमाईंट्री सहित पूरे सेक्टर ने 5,400 करोड़ से अधिक खर्च कर ठेके कर्मचारियों को स्थायी सुविधाएं प्रदान कीं। यह निवेश कर्मचारी निष्ठा व प्रतिभा प्रतिधारण बढ़ा रहा, जो लंबे समय में उत्पादकता को 20-25 प्रतिशत ऊंचा ले जाएगा। व्यापार सरलीकरण से सिंगल रजिस्ट्रेशन-लाइसेंसिंग, पारदर्शी नियम तथा संरचित सुलह प्रक्रिया ने प्रशासनिक बोझ हल्का किया। हर तिमाही 0.10-0.15 प्रतिशत बचत से कंपनियां अनुसंधान, प्रशिक्षण व तकनीकी उन्नयन पर अधिक निवेश कर पा रही हैं। गैर-आईटी क्षेत्र जैसे बीएचईएल व जोमैटो भी इन दक्षताओं का लाभ उठा रहे। निश्चित अवधि रोजगार ने नियमित शर्तें प्रदान कीं, जबकि विवाद न्यूनतम होने से कारोबारी स्थिरता बढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम 'आत्मनिर्भर भारत' के अनुरूप प्रतिभा आकर्षण में सहायक हैं। अर्थव्यवस्था को नई गति ये सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था के इंजन बनेंगे।

समृद्धि का स्वर्णिम भविष्य–2047 के विकसित भारत के महत्त्वाकांक्षी सपने को साकार करने में नई श्रम संहिताएं मील का पत्थर सिद्ध हो रही हैं। ये सुधार श्रमिकों को सशक्त बनाते हुए आर्थिक वृद्धि के इंजन के रूप में कार्य कर रहे हैं, जहां उत्पादकता 7.8 प्रतिशत वार्षिक लक्ष्य प्राप्ति को गति मिल रही है। सशक्त श्रमबल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत को मजबूत स्थिति दिला रहा है, जबकि गिग इकोनॉमी को मान्यता से युवा रोजगार में उछाल आया है। श्रमिक-उद्यमी साझेदारी आर्थिक-सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बन रही है, आत्मनिर्भर से विकसित भारत का सफर आसान हो

(लेखक दिल्ली विधानसभा के पूर्व विधायक हैं)

● न्यूनतम वेतन की मजबूत गारंटी- न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित, मूल वेतन कुल पारिश्रमिक का कम से कम 50 प्रश अनिवार्य–पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी पर अधिक अंशदान से आर्थिक सुरक्षा ● ग्रेच्युटी में क्रांतिकारी सुधार- केवल 1 वर्ष सेवा के बाद ग्रेच्युटी का पूर्ण अधिकार ● ओवरटाइम पर दोगुना लाभ- 8 घंटे से अधिक काम पर प्रति घंटा दोगुनी मजदूरी, ● लचीले व मानवीय कार्य घंटे-लिखित सहमति से 8-12 घंटे प्रतिदिन (अधिकतम 48 साप्ताहिक) ● गिग वर्कर्स को ऐतिहासिक मान्यता-श्रमिकों को पहली बार सामाजिक सुरक्षा ● ठेके व अनुबंध कर्मचारियों का कल्याण- स्थायी समकक्ष सुविधाएं (छुट्टी, चिकित्सा), ई-श्रम पोर्टल से सिंगल रजिस्ट्रेशन, सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच ● महिलाओं का व्यापक सशक्तिकरण- नाइट शिफ्ट छूट (सुरक्षा प्रोटोकॉल सहित) ● ट्रांसजेंडर समावेशिता- लिंग भेदभाव पूर्ण प्रतिबंध, समान अधिकार व सुरक्षा कवरेज ● व्यावसायिक सुरक्षा का पूर्ण जाल-100 प्रश दुर्घटना कवरेज ● नियुक्ति पत्र व वेतन पारदर्शिता- सभी को अनिवार्य लिखित अपॉइंटमेंट लेटर, 7 तारीख तक वेतन भुगतान ● निरीक्षक-सुविधाप्रदाता प्रणाली- दंड से सहयोगी मार्गदर्शन, डिजिटल अनुपालन ● कौशल विकास व युवा लाभ-पीएमकेवीवाई जैसी योजनाओं से प्रशिक्षण, निर्यात क्षेत्र में 180 दिन बाद छुट्टी

चिरंतन

पत्रकारिता का राष्ट्रधर्म

जयराम शुक्ल

राष्ट्रवाद इन दिनों विमर्श के केन्द्र पर है। भारत के संदर्भ में और वैश्विक संदर्भ में भी। राजनीतिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पक्ष व विपक्ष पर खूब चर्चाएं हुईं, हो रही हैं, तो भला पत्रकारिता इससे क्यों अछूती रहे। उसमें भी राष्ट्रवाद के तत्व तलाशे जा रहे हैं। मैं 'राष्ट्रवाद' शब्द का पक्षधर नहीं हूं, क्योंकि जहां वाद है वहाँ विवाद स्वमेव चला आता है। राष्ट्र न वाद का विषय है और न विवाद का। वह इससे परे, इससे उपर है। राष्ट्र एक विचार से भी आगे धर्म है...राष्ट्रधर्म। यह धर्म सभी पंथों से ऊपर है। पंथ की पहचान आराधना पद्धति, आचरण संव्यवहार से होती है। राष्ट्र किसी भी नागरिकों का आत्मतत्व है जो परिवार-समाज के पथ से आगे बढ़ता हुआ एक विशिष्ट सांस्कृतिक परिचय के साथ प्रकट होता है। यह मेरा अपना विवेचन है। लेकिन जिस राष्ट्रवाद पर चर्चा होती है उसका अर्थ अलग है। वामपंथी या मार्क्सवादी इसे दक्षिणपंथी अवधारणा मानते हैं। राष्ट्रवाद के विचार के साथ धर्मतत्व को जोड़कर इसे उदात्तता से कट्टरता की ओर धकेल देते हैं। सो इसलिए पहले यह जान लेना जरूरी है कि राष्ट्र क्या है, राष्ट्रवाद क्या है इसके आधारभूत तत्वों को हम जान समझ लें। हमारे देश भारतवर्ष में राष्ट्र की अवधारणा पश्चिम के देशों से अलग है। यूरोपीय देशों का राष्ट्रवाद दो विश्वयुद्धों की कोख से जन्मा है जबकि हमारा राष्ट्रवाद पुरातन और सनातन है। आज का राजनीति शास्त्र कहता है कि राष्ट्र की परिभाषा एक ऐसे जनसमूह के रूप में की जा सकती है जो कि भौगोलिक सीमाओं में एक निश्चित देश में रहता हो और जिसमें एकता के सूत्र में बाँधने की उत्सुकता तथा समान राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पाई जाती हों। भारत के संदर्भ में राष्ट्र की अवधारणा वृस्तित व व्यापक है। हम वसुधैव कुटुम्बकम की बात करते हैं। हम सर्वेभवन्तु सुखिनः की कामना करते हैं। हमारा धर्म सार्वभौमिक है उसका कोई नाम नहीं, वह सनातन है, सृष्टि के अस्तित्व में और प्राणियों में चेतना के आने के साथ ही। इसलिए हम प्राणियों में सद्भावना और जगत के कल्याण की बात करते हैं। हम धर्म की जय की कामना करते हैं। क्योंकि धर्म हमारे लिए रिलीजन नहीं बल्कि हमारे समाजिक जीवन में कर्तव्य और आचरण का विषय है। हमारी परिभाषा में धर्म वह तत्व है जो मनुजता को पशुता से अलग पहचान देता है। युगों से हमारा धर्म ही हमारा राष्ट्रधर्म रहा है। हमारी राष्ट्रीय चेतना वेदकाल से अस्तित्वमान रही है। अथर्ववेद में धरती माता का यशोगान किया गया है।

माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः

अर्थात भूमि माता है और मैं पृथ्वी का पुत्र हूं। हम भारतीयों के लिए राष्ट्र कागज में रेखांकित नक्शा कभी नहीं रहा। राष्ट्र हमारे लिए भाव है। लंका विजय के पश्चात जब लक्ष्मण वहीं निवास करने की बात करते हैं तब श्रीराम उन्हें उपदेश देते हैं-

'अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' लक्ष्मण सोने की लंका तो कहीं लगती ही नहीं जन्मभूमि हमारी माता है..उसके समक्ष स्वर्ग भी तुच्छ है। महाभारत का जो युद्ध हुआ वह वस्तुतः राष्ट्रधर्म के संस्थापनार्थ हुआ। राष्ट्र उच्च नैतिक मानदंडों का भाव है। महाभारत में इसके संकेत बड़े ही खूबसूरत और प्रग्या चक्षु को खोलने वाले हैं। गीता में जो उपदेश कृष्ण ने दिया है उसके निहितार्थ को समझने की जरूरत है...सुप्रसिद्ध श्लोक है-

यदा यदा हि धर्मश्य ग्लानिर्भवति भारतः, परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुश्कृतां अभ्युत्थानम् च धर्मश्य संभवामि युगे -युगे।

यहां श्रीकृष्ण जिस धर्म की बात करते हैं वस्तुतः वह राष्ट्रधर्म है। वे कहते हैं कि जब धर्म के पतन से राष्ट्र का अस्तित्व खतरे में पड़ता है तब मनुष्यों के अभ्युत्थान के लिए मैं आता हूं। महाभारत में एक नैतिक मूल्यों के राष्ट्र की स्थापना के लिए युद्ध हुआ है। यह युद्ध विदेशी ताकतों के खिलाफ सीमा विस्तार या साम्राज्यवाद की पिपासा के लिए नहीं था। राष्ट्रधर्म से पथभ्रष्ट व पतित हुए अपनों के खिलाफ राष्ट्रवादियों का युद्ध था। देखिये कितने शानदार प्रतीक हैं..धर्मराज युधिष्ठिर के नेतृत्व में धृत राष्ट्र की सेना के खिलाफ युद्ध है। धृतराष्ट्र यानी कि दिशा और दृष्टहीन राष्ट्र के खिलाफ..। संदेश साफ है कि देश के भीतर भी यदि कोई राष्ट्र के खिलाफ काम करता है तो उसको दंड देना अपरिहार्य है। इसलिए मेरा मानना है कि राष्ट्र सीमाओं से परे एक भाव है। आप यह भी कह सकते हैं कि जो देश नाम का तत्व है न वह वस्तुतः देह है। राष्ट्र उसकी आत्मा है, उसका प्राण है। राष्ट्रीय तत्व के समाप्त होते ही देश भी पार्थिव शरीर की भांति हो जाएगा। हमारे यहां राष्ट्र शब्द के समानार्थी शब्दों ने बड़ी समस्याएं खड़ी कर रखी हैं। राष्ट्र को अंग्रेजी में नेशन और उर्दू में कौम कहते हैं। मूलतः यूरोप के नेशन की अवधारणा अलग है। इसी तरह कौम भी बिलकुल अलग बात है। यूरोप का नेशन जियोपलटिकल है, एक तरह से भूगोलजन्य राजनीतिक। उसी तरह कौम एक रिलियस इनटाइटी है। अक्सर एक शब्द सुनने को मिलता है कि हम अपनी कौम के लोगों से तकरीर करता हूं, अपील करता हूँ। कौम शब्द का आशय सहधर्मी नागरिकों के नेशन से निकलता है। सत्तर साल से कौमी एकता का ढिंढोरा पीटा जाता रहा है...हर धर्मावलंबियों को अलग-अलग कौमें बताते हुए..एक राष्ट्र में इतनी सारी कौमें.. यानी कि राष्ट्र के भीतर भी कई राष्ट्र। बौद्धिकों ने ऐसे ही विमर्श दिए राष्ट्र को खंड-खंड राष्ट्रों में बांटते हुए। राष्ट्र बिल्कुल अलग है। आजादी के बाद पत्रकारिता का रूप बदला वह मिशन से प्रोफेशन में ढ़लने लगी। मेल माल हो गया और पाठक उपभोक्ता। पत्रकारिता का रहा है जिसका उद्देश्य धन कमाना और सत्ता पर दवाब बनाना रहा है। पर इन सब के बावजूद जब जब बात अपने राष्ट्र के हितों की उठती है तो पत्रकारिता का मिजाज बदल जाता है। भारत में राष्ट्रवादी पत्रकारिता को आरएसएस के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अखंड भारत की अभिलाषा के साथ जोड़ जाने लगा है। ऐसी थ्योरी रचने वालों का एजेंडा राजनीतिक है। ऐसे एजेंडाबाजों में ज्यादातर वो बौद्धिक शामिल हैं जो 1967 के बाद सत्ता के अकादमिक प्रतिष्ठानों में बैठकर 2014 के पहले तक मलाई छानते रहे, सम्मान, अलंकरण और पारितोषिक प्राप्त करते रहे। राष्ट्रवाद की इनकी परिभाषा संकुचित और छिद्रान्वेषी है। राष्ट्रबोध भारतीय पत्रकारिता के मूल में ही रहा। उसका उद्भव और विकास ही राष्ट्र व समाज के कुशल क्षेम के लिए हुआ..।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार हैं)

सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

न्यायालय ने दी सम्मान से मृत्यु की अनुमति

प्रमोद भार्गव

निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक फैसले में 12 साल से कोमा में रहते हुए कृत्रिम जीवन रक्षा उपायों से जीवित 32 वर्ष के हरीश राणा को मौत की अनुमति दे दी।देश के इतिहास में इच्छा मृत्यु की यह पहली कानूनी इजाजत है।अब हरीश के जीवन रक्षक उपकरण हटा लिए जाएंगे और उसकी जीवन-लीला प्राकृतिक रूप से मौत को प्राप्त हो जाएगी। न्यायालय की न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने परोक्ष इच्छा-मृत्यु की इजाजत मांगने वाली याचिका की स्वीकार करते हुए एम्स दिल्ली को निर्देश दिया है कि 'वह तय करे कि जीवन रक्षक उपकरण और प्रणाली एक सुनियोजित ढंग से हटाई जाए,ताकि व्यक्ति की गरिमा बनी रहे तथा उसे कोई पीड़ा झेलनी न पड़े। वैसे भी उनके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है, यह स्थिति सिर्फ दुख दे रही है।'हरीश पंजाब विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के छात्र रहने के दौरान 2013 में पेइंग गेस्ट आवास की चौथी मंजिल से गिर गए थे।तब से वे कोमा में हैं। उनके पिता अशोक राणा ने उक्त याचिका अदालत में दाखिल की थी। 2018 में कॉमन काज की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायमूर्तियों की पीठ ने परोक्ष इच्छा-मृत्यु (पैसिव इथुनीशिया)को मान्यता से जुड़ा फैसला दिया था।

न्यायालय ने कहा था कि जो लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और लिविंग विल (इच्छा-पत्र) बना चुके हैं, उनको सम्मान के साथ मरने का अधिकार है। उन्हें कानूनी पेंच में नहीं फंसाना चाहिए और चिकित्सा विषेशज्ञ को भी ऐसे मामले संज्ञान में लेना चाहिए। अतएव न्यायालय का निष्कर्ष था कि अगर कोई व्यक्ति अपना उपचार बंद कराना चाहता है तो उसे अनुमति देने का भी नियम होना चाहिए। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस निर्णय में मृत्यु के अधिकार को भी मौलिक अधिकार माना है। लिविंग विल के मायने जीवित होने का दस्तावेज या वसीयत है। इसके जरिए मरणासन्न व्यक्ति या उसके परिजन अपनी इच्छा के जरिए इच्छा-मृत्यु की मांग कर सकते हैं।चिकित्सा विशेषज्ञों की समिति की राय पर इच्छा मृत्यु की पहल की जा सकती है।इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में ही यह पहली अनुमति अदालत ने दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में दिए परिप्रेक्ष्य फैसले में इस तथ्य को मान्यता दी है कि असाध्य रोग से ग्रस्त रोगी इच्छा-पत्र (वसियत) लिख सकता है। न्यायालय का यह फैसला चिकित्सकों को लाइलाज मरीजों के जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति देता है। अदालत ने कहा है कि जीने की इच्छा नहीं रखने वाले व्यक्ति को निष्क्रिय या मूर्च्छित अवस्था में शारीरिक पीड़ा सहने नहीं देना चाहिए। अग्रिम इच्छा-पत्र लिखने की यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है। इसमें उल्लेख है कि जब तक संसद से इस सिलसिले में कानून नहीं बन जाता तब तक फैसले में दिए दिशा-निर्देश प्रभावी रहेंगे। कौन किस तरह से इच्छा-पत्र लिख सकता है और किस आधार पर मेडिकल बोर्ड इच्छा-मृत्यु के लिए सहमति दे सकता है, इनके आधार बिंदू फैसले में दिए गए हैं। इस फैसले के बाद रोगी के रिश्तेदार और मित्रों को वसीयत के निष्पादन का अधिकार मिल गया था। इस वसीयत के लिखे जाने के बाद मेडिकल बोर्ड रोगी को प्राणवायु देने वाले उपकरणों को हटाने पर विचार कर सकता है। इच्छामृत्यु की हमें पहली जानकारी भीष्म पितामह द्वारा अपनी इच्छा के अनुसार मौत का वरण करने की मिलती है। जैन धर्म में ऋषि-मुनि संथरा के जरिए स्वेच्छा से मृत्यु का वरण करते हैं। जब कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी या दुर्घटना के चलते ऐसी नीम-बेहोशी की हालत में आ जाए कि उसकी स्मृति का लोप होने के साथ खाने-पीने व दिनचर्याओं से निवृति की शक्ति का क्षरण हो जाए और वह अपने अस्तित्व का बोध भी न कर पाए तो ऐसे दुर्लभ कष्ट से मुक्ति के लिए मौत जरूरी लगने लगती है। ऐसी हालात में रोगी को जीवन रक्षक प्रणाली पर टिकाए रखना उसे यातना देने की तरह है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार हैं)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग

नचिकेता के अनुपम आदर्श से अनभिज्ञ होती आधुनिक पीढ़ी

अरविंद रावल

आज का युग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का युग है। मोबाइल और इंटरनेट से घिरी आधुनिक पीढ़ी किसी भी प्रश्न का उत्तर कुछ ही क्षणों में गूगल पर खोज सकती है। यदि आज के बच्चों या युवाओं से पूछा जाए कि नचिकेता कौन थे, तो वे संभवतः तुरंत इंटरनेट पर खोज कर उत्तर बता देंगे। लेकिन यदि यही प्रश्न बिना गूगल या एआई की सहायता के पूछा जाए, तो शायद अधिकांश लोग निरुत्तर रह जाएंगे। यह स्थिति हमारी शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक स्मृति पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। भारतीय वैदिक साहित्य में कृष्ण यजुर्वेद के कठोपनिषद में वर्णित नचिकेता और यमराज के संवाद की कथा अत्यंत प्रेरणादायक मानी जाती है। बालक नचिकेता का चरित्र पितृभक्ति, सत्यनिष्ठा, साहस, वैराग्य और ज्ञान-पिपासा का अद्भुत उदाहरण है। दुर्भाग्य से आज की शिक्षा पद्धति में इस महान आदर्श का समुचित स्थान नहीं है। यदि कहीं इसका उल्लेख मिलता भी है तो वह केवल कुछ श्लोकों तक सीमित रह जाता है । वैदिक ग्रंथों के अनुसार लगभग दस वर्ष की आयु का बालक नचिकेता अत्यंत तेजस्वी और जिज्ञासु था। उसके पिता उद्दालक ऋषि ने विश्वजीत नामक यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें सर्वस्व दान करना अनिवार्य था। यज्ञ के दौरान जब उद्दालक ऋषि दुर्बल और बूढ़ी गायों का दान करने लगे, तब नचिकेता ने विनम्रतापूर्वक उन्हें समझाया कि ऐसा दान, जो किसी के काम न आए, धर्मसम्मत नहीं है। नचिकेता ने अपने पिता से कहा कि यदि दान ही देना है तो मुझे ही दान कर दीजिए, ताकि मैं किसी के काम आ सकूं। नचिकेता पिता से कहता है कि मैं भी आपका धन हूँ, अतः इन गायों की जगह आप मेरा ही दान कर दीजिए ताकि मैं किसी के कुछ काम आ सकू। गोदान करते समय पिता के पास आकर नचिकेता बार-बार एक ही प्रश्न पूछता है-'तत् कस्मै मां दास्यसि?' अर्थात आप मुझे किसे दान देंगे? बार-बार एक ही प्रश्न पूछने पर आवेश में आकर पिता के मुख से निकल गया- 'मैं तुझे यमराज को देता हूं।' पिता के इस वचन को सत्य सिद्ध करने के लिए बालक नचिकेता मृत्यु के देवता यमराज के लोक तक पहुंच गया। यमराज के द्वार पर वह तीन दिन और तीन रात बिना अन्न-जल के प्रतीक्षा करता रहा। अतिथि के रूप में आए इस बालक की तपस्या और पितृभक्ति से प्रभावित होकर यमराज ने उसे तीन वरदान मांगने को कहा। पहले वरदान में नचिकेता ने अपने पिता के क्रोध और दुख के शांत होने की कामना की। दूसरे वरदान में उसने अग्नि विद्या का ज्ञान माँगा। तीसरे वरदान के रूप में उसने जीवन के सबसे गूढ़ प्रश्न को सामने रखा-मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है ? यमराज ने उसकी परीक्षा लेने के लिए उसे अपार धन, ऐश्वर्य, सुख-सुविधाएं और स्वर्गिक भोग देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन नचिकेता ने इन सबको अस्वीकार कर दिया। उसने स्पष्ट कहा कि संसार के सभी भोग क्षणभंगुर हैं और मनुष्य कभी धन से तृप्त नहीं होता। उसे केवल आत्मा के सत्य का ज्ञान चाहिए। नचिकेता की इस अद्भुत वैराग्य भावना और दृढ़ जिज्ञासा से प्रसन्न होकर यमराज ने उसे आत्मा और ब्रह्म के रहस्य की ब्रह्मविद्या का ज्ञान दिया। यही ज्ञान आगे चलकर कठोपनिषद का अमूल्य संदेश बना। नचिकेता के महान जीवन चरित्र आदर्श की तुलना आज के आधुनिक समाज से करें तो स्थिति बहुत चिंताजनक दिखाई देती है। आज की पीढ़ी भौतिक सुखों और विलासिता की दौड़ में अपने पारिवारिक संस्कारों, धार्मिक ग्रंथों और सांस्कृतिक मूल्यों से दूर होती जा रही है। आज हर वर्ग हर समाज की आधुनिक होती पीढ़ी विलासिता में डूबकर अपने घर, परिवार, समाज की मान-मर्यादा, रीति-नीति और संस्कारों से न केवल दूर हो रही है बल्कि अपने वैदिक धार्मिक ग्रंथों में छिपे असीम रहस्यों, इतिहास और आदर्श चरित्रों से भी वह अनभिज्ञ हो चुकी है!

(लेखक स्तंभकार हैं)

ईरान-इस्राइल तनाव- खामेनेई को खत्म करने की योजना का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- यरुशलम पोस्ट की एक रिपोर्ट में इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से बड़ा खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को समाप्त करने का निर्णय पिछले वर्ष नवंबर में ही ले लिया था। बताया गया कि शुरुआत में इस मिशन को लगभग छह महीने बाद अंजाम देने की योजना बनाई गई थी। हालांकि ईरान में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए इस योजना की समयसीमा में बदलाव किया गया और इसे पहले ही आगे बढ़ाने का फैसला किया गया।

गोपनीय सुरक्षा बैठक में तय हुआ लक्ष्य

रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में बताया कि यह रणनीतिक निर्णय एक अत्यंत गोपनीय उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान लिया गया था। इस बैठक में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मौजूद थे। बैठक के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और ईरान की गतिविधियों पर चर्चा हुई, जिसके बाद खामेनेई को निशाना बनाने का लक्ष्य तय किया गया। इस फैसले को इस्राइल की सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया।

ईरान की आंतरिक स्थिति के कारण बदली योजना

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान में बढ़ते आंतरिक विरोध और राजनीतिक दबाव को देखते हुए इस ऑपरेशन की समयसीमा में बदलाव किया गया। इस्राइली नेतृत्व को आशंका थी कि तेहरान में बढ़ता तनाव पश्चिम एशिया में इस्राइल और अमेरिका से जुड़े ठिकानों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को जन्म दे सकता है। इसी वजह से इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा करते हुए ऑपरेशन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के तहत कार्रवाई

बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' नामक सैन्य अभियान के शुरुआती चरण में की गई। शनिवार को शुरू हुए इन अभियानों के दौरान कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और रणनीतिक संस्थानों को निशाना बनाया गया। यह पहली बार बताया जा रहा है कि किसी संप्रभु देश के शीर्ष नेता को हवाई हमले के जरिए निशाना बनाया गया। इस्राइल का कहना है कि उसका उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु गतिविधियों से उत्पन्न खतरे को खत्म करना है।

तेहरान और अन्य इलाकों में तेज हुए हवाई हमले

इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों ने ईरान के कई सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। आईडीएफ ने बताया कि तेहरान में हमलों की बारहवीं लहर पूरी कर ली गई है। इन हमलों में ईरान के कई महत्वपूर्ण सैन्य ढांचे और सुरक्षा तंत्र को निशाना बनाया गया है। इस्राइली सेना का दावा है कि इन कार्रवाइयों से ईरानी सुरक्षा व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है।

अलबरज प्रांत में विशेष इकाई का मुख्यालय भी निशाने पर

इसी अभियान के दौरान अलबरज प्रांत में स्थित एक विशेष सुरक्षा इकाई के मुख्यालय पर भी हमला किया गया। यह इकाई ईरान के आंतरिक सुरक्षा बलों का संचालन और समन्वय करती है। इस्राइल वायु सेना के अनुसार इस हमले में बासिज अर्धसैनिक बल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े कई ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

हथियार भंडारण और सैन्य ढांचों पर भी कार्रवाई

आईडीएफ के अनुसार इस अभियान में हथियारों के भंडारण, उत्पादन और संचालन से जुड़े कई ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। सेना का कहना है कि इन हमलों का उद्देश्य ईरानी सैन्य तंत्र को कमजोर करना और उसके रणनीतिक नेटवर्क को नुकसान पहुंचाना है। इस्राइल ने यह भी कहा कि तेहरान में मौजूद कई कमांड सेंटर और सैन्य ढांचे अब उसके निशाने पर हैं।

खुलासा

रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में बताया कि यह रणनीतिक निर्णय एक अत्यंत गोपनीय उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान लिया गया था। इस बैठक में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मौजूद थे। बैठक के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और ईरान की गतिविधियों पर चर्चा हुई, जिसके बाद खामेनेई को निशाना बनाने का लक्ष्य तय किया गया।

नई जिम्मेदारी के साथ राजधानी के विकास को मिलेगी नई दिशा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक नेतृत्व को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय सामने आया है। भारत सरकार द्वारा वरिष्ठ राजनयिक और अनुभवी प्रशासक तरणजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर नियुक्त किए जाने पर विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएँ मिल रही हैं। उनके व्यापक प्रशासनिक अनुभव, दूरदर्शी सोच और मजबूत नेतृत्व क्षमता को देखते हुए यह उम्मीद जताई जा रही है कि उनके मार्गदर्शन में दिल्ली विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुएगी। लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने वाले तरणजीत सिंह संधू अब राजधानी के प्रशासनिक ढाँचे को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।

माना जा रहा है कि उनके कार्यकाल में शहर के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, जनसेवाओं को बेहतर बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दिल्ली जैसे बड़े और महत्वपूर्ण महानगर में नई जिम्मेदारी संभालते हुए उनसे यह भी अपेक्षा की जा रही है कि वे विकास योजनाओं को गति देने, नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने और शासन व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह बनाने में अहम भूमिका निभाएँगे। उनके अनुभव और नेतृत्व से राजधानी में प्रगति, स्थिरता और सुशासन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

होली के दिन पानी के गुब्बारे से शुरू हुआ विवाद हिंसा में बदला

नई दिल्ली/उत्तम नगर/उमा सक्सेना/- पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र की हस्तसाल कॉलोनी में होली के मौके पर हुई एक मामूली कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया, जिसके चलते एक युवक की जान चली गई और इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत उस समय हुई जब घर की छत पर खेल रही लगभग 11 वर्ष की एक बच्ची द्वारा फेंका गया पानी से भरा गुब्बारा नीचे सड़क से गुजर रही एक महिला के पास जाकर फट गया। गुब्बारे से पानी के छींटे पड़ने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कुछ लोग बच्ची के घर तक पहुंच गए, जहां बहस और धक्का-मुक्की की स्थिति पैदा हो गई। इसी दौरान मारपीट और हंगामे की घटना सामने आई, जिसमें 26 वर्षीय युवक तरुण गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसकी मौत हो जाने से मामला और संवेदनशील हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया और स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तुरंत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात कर दिया।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए इलाके में लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है, वहीं यह भी कहा है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध हथियार और चोरी की स्कूटी के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- दिल्ली के रोहिणी जिले में पुलिस ने गश्त के दौरान एक शातिर चोर और ऑटो-लिफ्टर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। विजय विहार थाना क्षेत्र की पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार, जिंदा कारतूस, चोरी की स्कूटी और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी पहले से ही कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और इलाके में चोरी तथा वाहन चोरी की वारदातों में सक्रिय बताया जा रहा था।

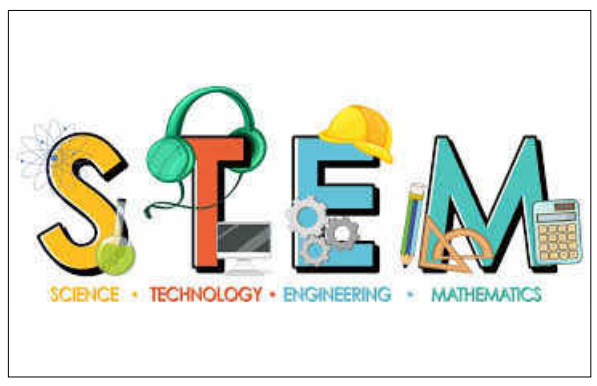

जानकारी के मुताबिक होली के त्योहार को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी और रोहिणी जिले के विभिन्न इलाकों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी अभियान के तहत 3 मार्च 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे थाना विजय विहार की पुलिस टीम लाल क्वार्टर स्थित मदर डेयरी के पास पिकेट लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक युवक टूटी हुई नंबर प्लेट वाली स्कूटी पर आता दिखाई दिया।

पुलिस ने जब उसे रुकने का संकेत दिया तो वह घबराकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने कुछ दूरी तक पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जो जांच में चोरी का निकला। पकड़े गए आरोपी की पहचान 27 वर्षीय राज कुमार उर्फ कन्हा के रूप में हुई, जो शाहबाद डेयरी क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। आगे की जांच में यह भी सामने आया कि जिस स्कूटी पर वह सवार था वह मौर्य एन्क्लेव थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी।

पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार राज कुमार उर्फ कन्हा एक हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पहले से लगभग 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। अधिकारियों का दावा है कि उसकी गिरफ्तारी से कई लंबित मामलों का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

आरोपी

पुलिस ने जब उसे रुकने का संकेत दिया तो वह घबराकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने कुछ दूरी तक पीछा कर उसे दबोच लिया।

देश-विदेश के वैज्ञानिक और शिक्षाविद करेंगे गणित

गुरुग्राम/उमा सक्सेना/- हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित एसजीटी यूनिवर्सिटी में महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की वैज्ञानिक विरासत और उनके योगदान पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 7 और 8 मार्च को किया जा रहा है। ÷रामानुजन की विरासत÷ भविष्य की पीढ़ियों के लिए गणित और उससे आगे की प्रेरणा÷ विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भारत समेत कई देशों के प्रमुख वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति हेमंत वर्मा के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय के मार्गदर्शन में हो रहा है, जबकि इसकी अध्यक्षता एआईयू की महासचिव पंकज मित्तल करेंगी। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ गणित शिक्षिका और हृष्टश्वऋज्ञ की जनरल काउंसिल की सदस्य अनीता शर्मा द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में रामानुजन के गणितीय सिद्धांतों और उनके आधुनिक शोध, तकनीक तथा शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर गहन मंथन होगा। इसके साथ ही संख्या सिद्धांत, क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत गणितीय मॉडलिंग जैसे विषयों पर भी विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक गणित पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे और यह भी चर्चा होगी कि रामानुजन की विश्लेषणात्मक सोच और समस्या समाधान की पद्धति को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में किस प्रकार शामिल किया जा सकता है। सम्मेलन में दिनेश सिंह, जॉर्ज ई. एंड्रयूज़, ब्रूस सी. बर्न्ट, वेदवीर आर्य, श्रीराम चौथाईवाले, सत्यनारायण रेड्डी, गौरव भटनागर, स्वामीनाथन, अनिंद्य सिन्हा, आशीष अरोड़ा, गजेंद्र सिंह, जगदीश बंसल, कपिल शर्मा, कृष्णन, राकेश भाटिया और अनुराधा गुप्ता सहित कई प्रतिष्ठित विद्वान भाग लेंगे।

सम्मेलन

सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय के मार्गदर्शन में हो रहा है, जबकि इसकी अध्यक्षता एआईयू की महासचिव पंकज मित्तल करेंगी।

लंबे समय से फरार घोषित अपराधी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को एक बड़ी सफलता मिली है। क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-2 टीम ने कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे घोषित अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।

यह मामला उत्तम नगर थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ था, जिसमें आरोपी काफी समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी के खिलाफ अदालत ने पहले ही उसे घोषित अपराधी करार दिया था और उसकी तलाश लगातार जारी थी। इसी दौरान क्राइम ब्रांच को गुप्त सूत्रों के माध्यम से आरोपी की गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

सूचना के आधार पर टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय स्तर पर इनपुट जुटाते हुए रणनीति तैयार की और जाल बिछाकर आरोपी को उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार यह पूरी कार्रवाई क्राइम ब्रांच की टीम ने सुनियोजित तरीके से अंजाम दी। ऑपरेशन का नेतृत्व इंस्पेक्टर गौतम मलिक ने किया, जबकि इसे राजपाल डाबस के मार्गदर्शन और हर्ष इंदोरा की निगरानी में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और उससे जुड़े संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि कानून से बचने की कोशिश करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर सियासी हलचल तेज

बिहार/उमा सक्सेना/- बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री पद को लेकर कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य की सियासी गलियारों में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आने वाले समय में प्रदेश की कमान किसके हाथों में होगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर भी कई नामों पर चर्चा चल रही है। कुछ नेताओं को भाजपा का मजबूत चेहरा माना जा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर जनता दल (यूनाइटेड) से भी संभावित नाम सामने आ रहे हैं। इसी वजह से बिहार की राजनीतिक स्थिति को लेकर कयासों का दौर जारी है।

नित्यानंद राय को मजबूत दावेदार माना जा रहा

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय का नाम मुख्यमंत्री पद की दौड़ में काफी समय से चर्चा में है। वह पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं और यादव समुदाय से आते हैं। बिहार की सामाजिक संरचना में यादव समाज की बड़ी हिस्सेदारी मानी जाती है, इसलिए राजनीतिक विश्लेषक उन्हें भाजपा के लिए एक रणनीतिक विकल्प मानते हैं। यह भी कहा जाता है कि राज्य में यादव वोट बैंक पर प्रभाव बनाने के लिए भाजपा उनके नाम पर विचार कर सकती है। वर्तमान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों में गिना जा रहा है। वह पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और कुशवाहा समाज से संबंध रखते हैं। बिहार की राजनीति में कुशवाहा समुदाय का भी महत्वपूर्ण प्रभाव माना जाता है। हालांकि अब तक राज्य की राजनीति में ऐसा कम ही देखने को मिला है कि उपमुख्यमंत्री सीधे मुख्यमंत्री बने हों, लेकिन फिर भी उनका नाम संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताया जा रहा है।

निशांत कुमार को लेकर भी चर्चा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का नाम भी सियासी चर्चाओं में सामने आ रहा है। हालांकि वह अभी सक्रिय राजनीति में नए माने जाते हैं। कुछ राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि जदयू के भीतर कुछ लोग उन्हें आगे लाने की बात कर रहे हैं। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि यदि ऐसा होता है तो उन्हें सीधे मुख्यमंत्री के बजाय पहले उपमुख्यमंत्री जैसे पद से शुरुआत कराई जा सकती है।

महिला चेहरे के तौर पर श्रेयसी सिंह का नाम

राजनीतिक गलियारों में एक महिला चेहरे के तौर पर श्रेयसी सिंह का नाम भी कभी-कभी चर्चा में आ जाता है। हालांकि इसे अभी केवल संभावनाओं के तौर पर ही देखा जा रहा है। उनके अलावा कुछ अन्य नेताओं के नाम भी समय-समय पर सामने आते रहते हैं।

भाजपा किसी नए चेहरे पर भी खेल सकती है दांव

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा कभी-कभी अचानक नए चेहरे को आगे करके बड़ा राजनीतिक फैसला लेती रही है। इसी वजह से यह भी संभावना जताई जा रही है कि भविष्य में पार्टी किसी ऐसे नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है जिसका नाम अभी चर्चा में कम हो। यही कारण है कि बिहार की राजनीति में मुख्यमंत्री पद को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं मानी जा रही है।

आगे क्या होगा, इस पर सबकी नजर

फिलहाल बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों पर मंथन जारी बताया जा रहा है। कौन नेता इस दौड़ में आगे निकलता है और किसे सत्ता की जिम्मेदारी मिलती है, यह आने वाले समय में ही साफ हो पाएगा।

राजनीतिक

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा कभी-कभी अचानक नए चेहरे को आगे करके बड़ा राजनीतिक फैसला लेती रही है। इसी वजह से यह भी संभावना जताई जा रही है कि भविष्य में पार्टी किसी ऐसे नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है

बजट में बड़ा ऐलान, बहादुरगढ़ के ऐतिहासिक औद्योगिक क्षेत्र को 'सक्षम योजना' का संरक्षण

हरियाणा/उमा सक्सेना/- हरियाणा सरकार ने बजट में एक अहम घोषणा करते हुए बहादुरगढ़ के पुराने औद्योगिक क्षेत्र को 'सक्षम योजना' के अंतर्गत शामिल करने का निर्णय लिया है। यह वही औद्योगिक सेक्टर है जिसकी स्थापना संयुक्त पंजाब के दौर में वर्ष 1957 में की गई थी। अब इस योजना के तहत इस क्षेत्र के विकास और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए विशेष प्रावधान किए जाएंगे। सरकार की इस पहल से दशकों पुराने इस औद्योगिक क्षेत्र को नई ऊर्जा और विकास की दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए बनेगा विशेष फंड

राज्य सरकार ने घोषणा की है कि संयुक्त पंजाब के समय स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक विशेष कोष बनाया जाएगा, जिसकी शुरुआती राशि लगभग 500 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसी योजना के तहत बहादुरगढ़ के इस औद्योगिक क्षेत्र को भी शामिल किया गया है। इससे पहले सरकार यहां के विकास कार्यों के लिए करीब सात करोड़ रुपये की मंजूरी दे चुकी है और कई परियोजनाओं पर काम भी शुरू हो चुका है। अब नई योजना के लागू होने के बाद उद्योगों को आधारभूत सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी।

हरियाणा के सबसे पुराने औद्योगिक क्षेत्रों में से एक

बहादुरगढ़ का यह औद्योगिक सेक्टर हरियाणा के सबसे पुराने औद्योगिक इलाकों में गिना जाता है। देश की आजादी के कुछ ही वर्षों बाद इस क्षेत्र को औद्योगिक गतिविधियों के लिए विकसित किया गया था। समय के साथ यहां आबादी बढ़ती गई और कई उद्योग दूसरी जगहों पर स्थानांतरित हो गए, लेकिन आज भी यहां अनेक प्रतिष्ठित उद्योग संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में इस क्षेत्र में करीब 50 प्रतिशत उद्योग सक्रिय हैं, जो बहादुरगढ़ को औद्योगिक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

विभिन्न उद्योगों से मिलता है बड़े पैमाने पर रोजगार

इस औद्योगिक क्षेत्र में एयर कंडीशनर, तेल उत्पादन, फुटवियर, फैब्रिकेशन, रेलवे ब्रेक, ऑटो पार्ट्स और अन्य कई प्रकार के उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन उत्पादों की मांग देश के विभिन्न हिस्सों में रहती है। यही कारण है कि यहां लंबे समय से विभिन्न राज्यों से आए कामगारों की कई पीढ़ियों को रोजगार मिलता रहा है।

इस औद्योगिक क्षेत्र में 605 वर्ग गज से लेकर चार एकड़ तक के प्लॉट मौजूद हैं, जिनमें बड़े और मध्यम स्तर के उद्योग संचालित हैं।

प्रशासनिक जिम्मेदारी में हुआ बदलाव

पहले यह औद्योगिक क्षेत्र जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के अधीन आता था, लेकिन अब इसकी देखरेख हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना एवं विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) को सौंप दी गई है। सरकार की नई योजना के लागू होने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि यहां आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जाएगा और उद्योगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

राज्य सरकार की 'सक्षम योजना' के तहत शामिल होने से बहादुरगढ़ के इस ऐतिहासिक औद्योगिक क्षेत्र को नई पहचान और मजबूती मिलने की संभावना है। इससे न केवल पुराने उद्योगों को फायदा होगा बल्कि भविष्य में नए निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ने की उम्मीद है।

औद्योगिक

राज्य सरकार ने घोषणा की है कि संयुक्त पंजाब के समय स्थापित औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक विशेष कोष बनाया जाएगा, जिसकी शुरुआती राशि लगभग 500 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसी योजना के तहत बहादुरगढ़ के इस औद्योगिक क्षेत्र को भी शामिल किया गया है। इससे पहले सरकार यहां के विकास कार्यों के लिए करीब सात करोड़ रुपये की मंजूरी दे चुकी है

मोनेस्ट्री मार्केटङ्कलद्दाख बुद्ध विहार के बीच बनेगा आधुनिक फुट ओवर ब्रिज

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में मोनेस्ट्री मार्केट और लद्दाख बुद्ध विहार के बीच पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक नए फुट ओवर ब्रिज के निर्माण की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। इस परियोजना का विधिवत शिलान्यास किया गया, जिससे आने वाले समय में क्षेत्र के लोगों को सड़क पार करने में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यह फुट ओवर ब्रिज खासतौर पर लद्दाख की पारंपरिक वास्तुकला और सांस्कृतिक शैली को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा, ताकि यह संरचना स्थानीय पहचान और सौंदर्य को भी दर्शा सके।

पैदल यात्रियों को मिलेगा सुरक्षित मार्ग

इस प्रस्तावित फुट ओवर ब्रिज के बनने से लद्दाख बुद्ध विहार और मोनेस्ट्री मार्केट आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को सड़क पार करने में काफी सुविधा मिलेगी। अभी तक लोगों को व्यस्त रिंग रोड को पार करने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती थी। नए पुल के निर्माण से यह समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी और पैदल यात्रियों को सुरक्षित रास्ता उपलब्ध हो सकेगा।

आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस पुल

फुट ओवर ब्रिज को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसमें दो लिफ्ट भी लगाई जाएंगी ताकि बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और बच्चों के साथ आने वाले लोगों को ऊपर-नीचे आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा पुल का डिजाइन ऐसा तैयार किया जाएगा जो मजबूत होने के साथ-साथ आकर्षक भी होगा और इलाके की पहचान को और मजबूत करेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था होगी और बेहतर

इस पुल के निर्माण से केवल पैदल यात्रियों को ही सुविधा नहीं मिलेगी, बल्कि रिंग रोड पर यातायात व्यवस्था भी अधिक सुचारु और व्यवस्थित हो सकेगी। अभी सड़क पार करने के कारण कई बार वाहनों की गति धीमी हो जाती है और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। फुट ओवर ब्रिज बनने के बाद वाहनों की आवाजाही निर्बाध रूप से जारी रह सकेगी, जिससे ट्रैफिक प्रबंधन भी बेहतर होगा।

कई गणमान्य नेता रहे मौजूद

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और लद्दाख भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ताशी ग्यालसन खाचू सहित कई अन्य नेता और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने इस परियोजना को क्षेत्र के विकास और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

झरोदा माजरा इलाके से लापता महिला सकुशल बरामद, अपराध शाखा की बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बुराड़ी इलाके से एक राहत भरी खबर सामने आई है। कई दिनों से लापता चल रही 28 वर्षीय महिला को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की टीम ने सफल अभियान चलाकर सुरक्षित खोज निकाला। महिला को बुराड़ी थाना क्षेत्र के झरोदा माजरा इलाके से बरामद किया गया, जिसके बाद उसे उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। महिला के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली है।

सूचना के आधार पर की गई त्वरित कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक महिला के लापता होने के बाद उसकी तलाश के लिए अलग-अलग टीमों को लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना देने वाले के लिए 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। इसी दौरान दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एनआर-वन टीम को गुप्त सूचना मिली कि लापता महिला झरोदा माजरा क्षेत्र में मौजूद हो सकती है। सूचना मिलते ही टीम ने तुरंत कार्रवाई की योजना बनाई।

इंस्पेक्टर अजय गहलावत के नेतृत्व में चला अभियान

अपराध शाखा की टीम ने इंस्पेक्टर अजय गहलावत के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। टीम की सतर्कता और तेजी के चलते महिला को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करते हुए महिला को उसके परिवार के साथ मिलवा दिया। पुलिस के अनुसार महिला पूरी तरह सुरक्षित है।

वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में हुई कार्रवाई

यह पूरा अभियान सहायक पुलिस आयुक्त अशोक शर्मा की निगरानी और पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि राजधानी में लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाना दिल्ली पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जाते हैं।

दिल्ली पुलिस की सतर्कता फिर आई सामने

अपराध शाखा की इस सफल कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित किया है कि दिल्ली पुलिस संवेदनशील मामलों में तेजी से काम करते हुए लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

लापता

अपराध शाखा की टीम ने इंस्पेक्टर अजय गहलावत के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। टीम की सतर्कता और तेजी के चलते महिला को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

होली के जश्न में खूनखराबा, चाकूबाजी में 20 वर्षीय युवक की मौत

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- उत्तर दिल्ली के बुराड़ी इलाके में होली के मौके पर खुशियों का माहौल अचानक मातम में बदल गया। जानकारी के अनुसार बुराड़ी थाना क्षेत्र की वशिष्ठ एन्क्लेव कॉलोनी में कई युवक रंग-गुलाल के साथ होली का उत्सव मना रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई और फिर चाकूबाजी तक पहुंच गया। इस हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

घटना में जान गंवाने वाले युवक की पहचान 20 वर्षीय नेपल राम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नेपल राम मूल रूप से बिहार का रहने वाला था और बुराड़ी इलाके में किराए के मकान में रहता था। घटना के समय वह अपने घर के पास दोस्तों के साथ होली खेल रहा था। झगड़े के दौरान उसे चाकू से कई वार किए गए। घायल हालत में उसे तुरंत बुराड़ी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस झगड़े में पिंटू यादव नाम का एक अन्य युवक भी घायल हुआ है, जो उसी इलाके का निवासी बताया जा रहा है। पिंटू की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए बुराड़ी के सरकारी अस्पताल से दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लिया

घटना की सूचना मिलते ही बुराड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विवाद होली खेलने के दौरान हुई कहासुनी से शुरू हुआ था, हालांकि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं झगड़े के पीछे कोई पुरानी रंजिश या अन्य कारण तो नहीं था।

पुलिस कर रही है मामले की गहन जांच

फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की असली वजह सामने आ पाएगी।

दिल्ली में सरेआम चली गोलियां, दो देसी पिस्टल लेकर युवक ने मचाया आतंक

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। उत्तर दिल्ली के भलस्वा डेरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर पार्ट-2 स्थित गली नंबर-6 में एक युवक ने सरेआम फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। बताया जा रहा है कि विजय प्रताप पांडे नामक व्यक्ति अपने घर के बीमार सदस्य को अस्पताल ले जाने के लिए कार में बैठा रहे थे और उसी दौरान उनकी गाड़ी गली में खड़ी थी। तभी एक बाइक सवार युवक वहां पहुंचा और तुरंत गाड़ी हटाने को लेकर बहस करने लगा। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने गंभीर रूप ले लिया।

दो देसी पिस्टल निकालकर की कई राउंड फायरिंग

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी युवक नशे की हालत में था। बहस बढ़ने के बाद उसने अचानक अपनी बाइक रोक दी और जेब से दो देशी पिस्टल निकाल लीं। इसके बाद उसने गली में मौजूद लोगों को डराने के लिए लगातार कई राउंड गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने करीब पांच बार फायरिंग की, जिससे वहां खड़ी दो गाड़ियों के शीशे टूट गए। गोलियों की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए घरों में छिप गए।

परिवार ने घर में छिपकर बचाई जान

पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी ने उनकी दिशा में भी गोलियां चलाईं, जिससे उन्हें गंभीर खतरा हो सकता था। डर के माहौल में परिवार के सदस्य घर के अंदर छिप गए और किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और महिलाएं व बच्चे खासे सहमे हुए हैं।

पुलिस ने शुरू की तलाश

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपी की पहचान भी कर ली गई है। अधिकारियों का कहना है कि फरार युवक की तलाश में छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है और लोग सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

सरेआम हथियार लहराकर फायरिंग की इस घटना ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराधियों में पुलिस का खौफ कम होता जा रहा है, जिसके कारण ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

इजरायल का बड़ा दावा - ईरानी मिसाइलों की पहुंच भारत तक

नई दिल्ली/उमा सक्सेना/- पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजरायली सेना ने एक ऐसा मानचित्र जारी किया है जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस को जन्म दे दिया है। इजरायली रक्षा बलों का कहना है कि ईरान की मिसाइल क्षमता केवल इजरायल तक सीमित खतरा नहीं है, बल्कि इसका दायरा दुनिया के कई बड़े देशों तक फैल चुका है। इजरायली सेना ने पहली बार सार्वजनिक रूप से एक विस्तृत नक्शा जारी करते हुए बताया है कि ईरान की विभिन्न बैलिस्टिक मिसाइलें कितनी दूरी तक हमला करने में सक्षम हैं। इस नक्शे के जरिए यह दिखाने की कोशिश की गई है कि ईरान की मिसाइलें पश्चिम एशिया से लेकर एशिया और यूरोप के कई हिस्सों तक पहुंच सकती हैं।

सोशल मीडिया पर साझा किया गया मानचित्र

इजरायली सेना ने यह मानचित्र अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया। पोस्ट के साथ लिखा गया कि ईरानी शासन की सैन्य क्षमताएं केवल इजरायल के लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। इस मानचित्र में ईरान की मिसाइलों की मारक क्षमता को अलग-अलग दूरी के आधार पर दर्शाया गया है, जिससे यह समझाया गया है कि कौन-कौन से क्षेत्र संभावित रूप से इनके दायरे में आते हैं।

मिसाइलों की दूरी के आधार पर दिखाया गया खतरा

जारी किए गए नक्शे में ईरान की मिसाइलों की क्षमता को चार अलग-अलग दूरी के दायरों में दर्शाया गया है। इसमें लगभग तीन सौ किलोमीटर, एक हजार किलोमीटर, दो हजार किलोमीटर और तीन हजार किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलों की सीमा दिखाई गई है। इस ग्राफिक प्रस्तुति में बताया गया है कि जैसे-जैसे दूरी बढ़ती है, वैसे-वैसे अधिक देशों और क्षेत्रों को संभावित खतरे के दायरे में शामिल किया जाता है।

इस मानचित्र में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि भारत को भी ईरानी मिसाइलों की संभावित रेंज में दिखाया गया है। नक्शे के अनुसार भारत का पश्चिमी हिस्सा लगभग एक हजार किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के दायरे में बताया गया है।

इसके अलावा देश का बड़ा हिस्सा दो हजार किलोमीटर की रेंज वाली मिसाइलों की पहुंच में आता हुआ दिखाया गया है, जबकि तीन हजार किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलों की सीमा में पूरे भारत को शामिल दिखाया गया है। इस दावे ने सुरक्षा और रणनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

यूरोप, रूस और चीन के हिस्से भी बताए दायरे में

इजरायली सेना द्वारा जारी किए गए इस नक्शे में केवल भारत ही नहीं बल्कि रूस और चीन के कई हिस्सों को भी संभावित मिसाइल रेंज में दर्शाया गया है। इसके अलावा पूरे यूरोप को भी तीन हजार किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलों के दायरे में दिखाया गया है। इससे यह संकेत देने की कोशिश की गई है कि ईरान की सैन्य क्षमता का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर व्यापक अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य पर भी पड़ सकता है।

वैश्विक सुरक्षा पर बढ़ी चिंता

इजरायली सेना की ओर से जारी यह मानचित्र ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम एशिया में पहले से ही तनाव बढ़ा हुआ है। विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के दावों और सैन्य आकलनों से क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और तेज हो सकती है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अलग-अलग स्रोतों से नहीं की गई है, लेकिन इस खुलासे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन को लेकर नई चिंताएं जरूर पैदा कर दी हैं।

दुनिया

इजरायली सेना ने यह मानचित्र अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया। पोस्ट के साथ लिखा गया कि ईरानी शासन की सैन्य क्षमताएं केवल इजरायल के लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

मान सरकार का बड़ा कदम, पंजाब की महिलाओं को मिलेगी मासिक आर्थिक मदद

पंजाब/सिमरन मोरया/- पंजाब की माम सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश कर दिया है। वित्त मंत्रालय हरपाल सिंह चीमा ने बजट पेश करते हुए कहा कि ये बजट कई मायनों में ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पेश किया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब की अर्यवयवस्था ने पिछले एक साल में अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 28,91,487 करोड़ अनुमानित है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए घरेलू उत्पाद 9,80,635 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

महिलाओं के लिए 1000 रुपए महीने देने का ऐलान

विधानसभा में ऐलान करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब की महिलाओं को हर महीन 1000 रुपए दिए जाएंगे। जबकि अनुसूचित जाति वर्ग के महिलाओं को 1500 रुपए महीने दिए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि लगभग 20000 सरकारी स्कूलों में हमने बुनियादी और उन्नत दोनों मानकों को सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि 99 फीसदी स्कूलों में चारदीवारी है। एक लाख से अधिक नए डेस्क की खरीद हुई है। उन्होंने कहा कि 3,000 से अधिक सुरक्षा कर्मी स्कूल परिसरों की सुरक्षा में लगे हुए हैं। 1,798 कैंपस मैनेजर स्कूल प्रशासन में सहायता कर रहे हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई 444-दिन एफडी योजना, उम्र के हिसाब से लाभ

- बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक

नई दिल्ली । यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने निवेशकों के लिए अपनी नई 444-दिन फिक्स्ड डिपॉज़िट (एफडी) योजना पेश की है। बैंक में निवेश की अवधि केवल 1 सप्ताह से लेकर 10 साल तक चुनी जा सकती है। यह विशेष योजना उन लोगों के लिए है जो करीब डेढ़ साल के लिए सुरक्षित और सुनिश्चित लाभ चाहते हैं। इस एफडी योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उम्र के अनुसार ब्याज दरें बढ़ती हैं। आम नागरिकों (60 साल से कम उम्र) के लिए ब्याज दर 6.60 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों (60 साल से अधिक) के लिए 7.10 फीसदी और सुपर वरिष्ठ नागरिकों (80 साल से ऊपर) के लिए 7.35 फीसदी तय की गई है। मान लीजिए कोई निवेशक इस योजना में 2 लाख रुपये जमा करता है तो आम नागरिक को 2,16,577 रुपये (16,577 रुपये ब्याज), वरिष्ठ नागरिक को 2,17,876 रुपये (17,876 रुपये ब्याज) और सुपर वरिष्ठ नागरिक को 2,18,528 रुपये (18,528 रुपये ब्याज)`` मिलेगा। सरकारी बैंक होने के कारण इस एफडी में निवेश पूरी तरह सुरक्षित है। बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम नहीं है, और तय अवधि के बाद गारंटीड आय सुनिश्चित होती है।

रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई । रुपया मंगलवार के कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

भारत वाणिज्य मंडल ने की निर्यातकों के लिए बैंकिंग राहत की मांग

- पश्चिम एशिया में तनाव से शिपिंग प्रभावित, व्यापार मंडल ने आरबीआई को लिखा पत्र

कोलकाता । भारत वाणिज्य मंडल (बीसीसी) ने भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वित्तीय राहत देने के लिए उपाय करने का आग्रह किया है। मंडल ने कहा कि यह क्षेत्र न केवल भारतीय निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, बल्कि यूरोप और अफ्रीका जाने वाले माल के लिए महत्वपूर्ण 'ट्रांस-शिपमेंट' केंद्र भी है।

टाटा कमर्शियल वाहन 1 अप्रैल से 1.5 फीसदी तक हो जाएंगे महंगे

- कंपनी ने कहा, कच्चे माल और अन्य इनपुट लागत बढने से बढ़ाना पड़ रहे दाम

मुंबई ।

टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से उसके कमर्शियल वाहनों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक वृद्धि की जाएगी। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल और अन्य इनपुट लागतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण यह कदम उठाया गया है। कीमत बढ़ोतरी सभी कमर्शियल वाहनों पर लागू होगी, लेकिन मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अंतर हो सकता है। कंपनी ने कहा कि यह बढ़ती उत्पादन लागत का संतुलन बनाने के लिए जरूरी है। विश्लेषकों का कहना है कि जल्द ही टाटा कारों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसलिए यदि आप टाटा कार खरीदने का सोच रहे हैं, तो अब निर्णय लेना फायदेमंद होगा। टाटा नेक्सन कंपनी की टॉप सेलिंग कार है। टाटा नेक्सन की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 7.31 लाख रुपये है। टाटा पंच भी कंपनी की टॉप सेलिंग कारों में से एक हैं। ऐसे में आप टाटा पंच को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा पंच की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 5.59 लाख

रुपये है। टाटा टियागो भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जिसे आप खरीदने के बारे में सोच सकते हैं. टाटा टियागो की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 4.57 लाख रुपये है। आप चाहे तो टाटा अल्ट्रोज और टाटा हैरियर को भी खरीदने के बारे में सोच सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 6.30 लाख रुपये है। वहीं टाटा हैरियर की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 12.89 लाख रुपये है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.37 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे टूटकर 92.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 91.62 अंक टूटकर 75,411.23 अंक पर जबकि निफ्टी 34.25 अंक फिसलकर 23,374.55 अंक पर पहुंच गया।

कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

- संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी

नई दिल्ली । केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कॉर्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव मॉडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पॉवर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 567, निफ्टी 172

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 172.35 अंक की तेजी के साथ ही 23,581.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निवेशकों ने ऑटो, मेटल और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला। वहीं एशियाई व अमेरिकी बाजारों की तेजी से भी कारोबार बढ़ा। जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। वहीं, अमेरिकी बाजार भी मजबूती के साथ बंद हुए, जहां एसएंडपी 500 और नैस्डैक में अच्छी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह मेटल और ऑटो सेक्टर में खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती दी। एशियाई बाजारों से मिले बेहतर संकेतों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जिससे बाजार की दिशा ऊपर की ओर बनी रही। कारोबार के दौरान` निफ्टी बढ़त के साथ 23,503.95 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 280.68 अंक चढ़कर 75,768.53 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में यह तेजी मुख्य रूप से मेटल और ऑटो कंपनियों में आई खरीदारी के कारण रही। हालांकि आईटी सेक्टर में कमजोरी का रुख बना रहा।

इंफो सिस, ` विप्रो और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आईटी इंडेक्स पर दबाव बना और यह सेक्टर दिन का सबसे कमजोर सेक्टर रहा। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में शुरुआती गिरावट के बाद सुधार देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करते दिखे। सेक्टर आधारित प्रदर्शन में फार्मा सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां मजबूत खरीदारी दर्ज की गई।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना कर बनाएगी क्षेत्रीय साइबर हब

- भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे

नई दिल्ली । वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी भारत को क्षेत्रीय सेवाओं का केंद्र (हब) बनाने पर जोर दे रही है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अे धिकारी ने कहा कि भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड ऑपरेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

उन्होंने बताया कि 2024 में कास्पर्स्की ने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा कि 2025 के वित्तीय परिणाम और भी बेहतर रहने की संभावना है। कंपनी के वल कार्यालय और कर्मचारियों में निवेश ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रही है।

उन्होंने संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है, तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कंपनी स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर ध्यान देगी।

अे धिकारी ने चेतावनी दी कि 2026 में साइबर हमले बढ़ सकते हैं। 2025 में कास्पर्स्की ने भारत में 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका।

उन्होंने कहा कि डीपफेक जैसे खतरे एआई उपकरणों की आसान उपलब्धता के कारण तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग जरूरी हो गया है।

उन्होंने माना कि एआई बुनियादी अकाउंटिंग, सॉफ्टवेयर कोडिंग और वेब प्रबंधन जैसे कार्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सभी को खुद को अपग्रेड करने और कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की सलाह दी।

एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

- ये फर्में हैं पीडब्ल्यूसीए, बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख ऑडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की है, जिनमें प्राइस वॉटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-ऑडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेज़ीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त ऑडिट प्रक्रियाओं का सबूत नहीं मिला। एक ऑडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-ऑडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

बाजार गिरा, जा निए निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति?

समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है

नई दिल्ली । दिल्ली के एक नागे रिक पिछले छह साल से म्युचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। इस बार जब उन्होंने अपने निवेश ऐप खोला तो स्क्रीन पर लाल रंग ज्यादा दिखाई दिया। बाजार में गिरावट के कारण उनके इक्विटी फंड का मूल्य कम हो गया। उनके मन में सवाल आया, क्या मुझे इक्विटी से पैसे निकालकर डेट फंड में डाल देना चाहिए? विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में घबराहट में निर्णय लेना सबसे बड़ी गलती हो सकती है। द वेल्थ कंपनी म्युचुअल फंड के अनुसार, बाजार में गिरावट अक्सर निवेशकों को इमोशनल बना देती है। ऐसे समय में तुरंत फैसला लेने के बजाय अपने निवेश के उद्देश्य, समय सीमा और एसेट एलोकेशन पर ध्यान देना जरूरी है। इतिहास बताता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य हैं और सही रणनीति अपनाने वाले निवेशकों के लिए गिरावट अवसर भी बन सकती है। एक को-फाउंडर कहते हैं कि अचानक पोर्टफोलियो बदलना नुकसानदेह हो सकता है। लंबी अवधि के लिए इक्विटी बेहतर होती है, जबकि पैसे की जरूरत कम या मध्यम समय में है, तो डेट फंड या अच्छे क्वालिटी वाले बॉन्ड सुरक्षित विकल्प हैं। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय एसेट एलोकेशन महत्वपूर्ण होती है। निवेश को अलग-अलग साधनों में बांटकर रखना जोखिम कम करता है। म्युचुअल फंड विशेषज्ञ कहते हैं कि समय-समय पर पोर्टफोलियो का रीबैलेंसिंग करना लाभकारी होता है और कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता है। गिरावट के समय` एसआईपी निवेश करने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जिससे लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है। इसे रुपये लागत औसत कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुतो बिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए। गिरावट में इक्विटी छोड़कर डेट फंड में जाना हमेशा सही नहीं होता। लंबी अवधि की योजना, पोर्टफोलियो संतुलन और धैर्य सबसे बड़े लाभ की कुंजी हैं।

भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है- नैसकॉम

कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को दे रही प्राथमिकता

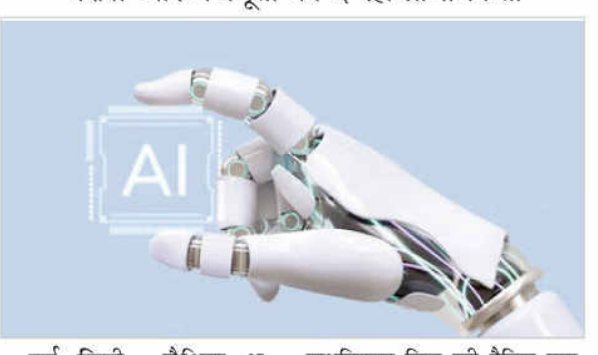

नई दिल्ली वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच, कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं। नैसकॉम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने मंगलवार को 'नैसकॉम ग्लोबल कॉन्फ्लुएंस 2026' में कहा कि इस बदलते परिदृश्य में भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है।

नॉबियार ने बताया कि निर्यात पर निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग अब असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों और कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीकों को बदल दिया है। अब दक्षता महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्णय लेने में मजबूती और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही हैलिए एक विशाल और विविध प्रयोगशाला है। देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और अन्य उद्योग में 30-40 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये प्रतिभाएं एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रही हैं। नॉबियार ने आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा कि ये दुनिया के लिए उपयोगी मॉडल बन सकते हैं। उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता और परस्पर संचालन जैसे सिद्धांत वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पसंदीदा साझेदार बनने का आधार केवल प्रौद्योगिकी नहीं, बल्कि साझा मूल्य और साझा आकांक्षाएँ भी हैं।

कच्चे तेल में उछाल, फिर भी भारत में पेट्रोल-डीजल स्थिर

खाड़ी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा से बढ़ीं वैश्विक कीमतें

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है, जो 136 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है।

यह जलमार्ग दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है, जिससे संकट और गहरा गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर भारत की तेल आयात लागत पर पड़ा है। इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना

है। इसके बावजूद, देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार फिलहाल कीमतों में वृद्धि से बच रही है। इसके पीछे राज्य चुनाव और महंगाई को नियंत्रित रखने की रणनीति अहम कारण मानी जा रही है। तेल कंपनियां अपने मार्जिन में कटौती कर नुकसान झेल रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं पर तत्काल बोझ न पड़े। हालांकि, यह स्थिति लंबे समय तक बने रहना मुश्किल है। यदि अंतरराष्ट्रीय कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में भारत में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही

राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से

जयपुर ।

राजस्थान में सरसों एवं चने की समर्थन मूल्य पर खरीद एक अप्रैल से शुरू होगी। अधिकारियों ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत कृषि जीन्स सरसों एवं चना की समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 मार्च से शुरू की जा रही है। पंजीकृत किसान एक अप्रैल से इन फसलों की खरीद कर ंगे। सहकारी समितियां (जयपुर ग्रामीण) के एक अ धिकारी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंड के तहत चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,875 रुपये प्रति

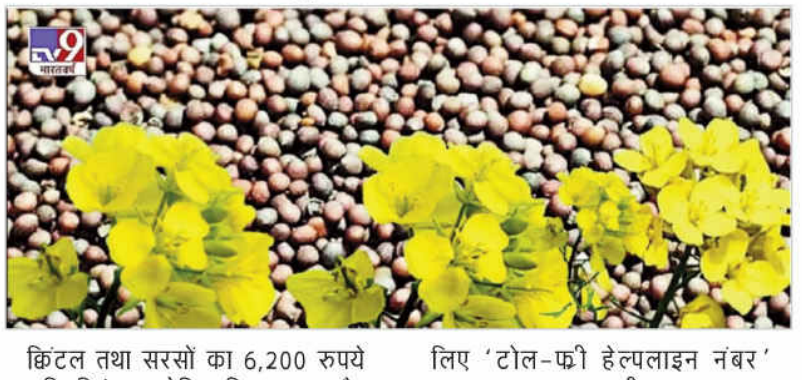

क्विंटल तथा सरसों का 6,200 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। किसानों की सुविधा एवं खरीद से संबंधित किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए 'टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर' 1800-180-6001 भी उपलब्ध कराया गया है। जयपुर जिले में कुल 42 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक़र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

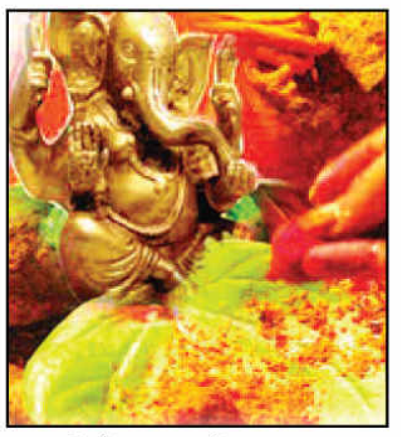

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बैर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद

एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

संजू सैमसन ने अभिषेक के साथ ओपनिंग जोड़ी के बारे में की बात, कहा-

'हम आग और आग हैं', कभी वह आग बरसाता है तो कभी मैं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खास तौर पर फाइनल मुकाबले में क्या कमाल किया वो पूरी दुनिया ने देखा। भारत की तीसरी बार टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनाने में इन दोनों की पारियों का अहम योगदान रहा। अब दोनों खिलाड़ी आईपीएल 2026 के लिए तैयार हैं, लेकिन इससे पहले ये दोनों खिलाड़ी एक साथ एक बड़े मंच पर आए और एक-दूसरे की जमकर तारीफ की।

एक कार्यक्रम में संजू सैमसन ने अपने और अभिषेक की ओपनिंग जोड़ी के बारे में बात करते हुए कहा कि, हम बर्फ और आग नहीं हैं, बल्कि हम तो आग और आग हैं। कभी वह आग बरसता है तो कभी मैं, हमारा तालमेल ही कुछ ऐसा है। हम 2024 से ही ऐसा कर रहे हैं और मैदान के बीच में हमारी दोस्ती केरल और पंजाब की दोस्ती जैसी है।

क्रिकेट के लिहाज से संजू सैमसन, अभिषेक से छह साल सीनियर हैं। संजू ने अक्टूबर 2011 में केरल के लिए अपना सीनियर प्रोफेशनल करियर शुरू किया था। अभिषेक ने पंजाब के लिए अपना पहला सीनियर प्रोफेशनल मैच फरवरी 2017 में खेला था। 2024 के आखिर में भारत के लिए बैटिंग ऑर्डर में सबसे ऊपर एक साथ आने से पहले इस जोड़ी ने किसी भी टीम के लिए कभी भी एक साथ ओपनिंग नहीं की थी।

अभिषेक बहुत बहादुर और शांत स्वभाव का है

संजू सैमसन ने कहा कि, मैच के बीच में एक-दूसरे से अच्छे से बातचीत करना उनके लिए बहुत स्वाभाविक है। हमारे लिए सब कुछ बहुत स्वाभाविक है इसलिए हम इसे मुश्किल नहीं बनाते। वह मुझसे पूछता है कि गेंद कैसी आ रही है तो मैं उससे कहता हूं कि गेंद नॉर्मल आ रही है इसे छक्का मारो। उसके साथ सब कुछ बहुत आसान है। अभिषेक बहुत बहादुर और शांत स्वभाव का है और मुझे उसका व्यक्तित्व बहुत पसंद है। मुझे मैदान के अंदर और बाहर उसके साथ अपनी साझेदारी बहुत पसंद है।

11 टी-20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड बनाया

पाक के पूर्व कप्तान सरफराज ने लिया संन्यास

पाकिस्तान को दो बार आईसीसी चैंपियंस बनाया

एजेंसी ■ कराची

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इसके साथ ही उनके लगभग दो दशक लंबे शानदार करियर का अंत हो गया।

कराची में जन्मे इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने नवंबर 2007 में जयपुर में भारत के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 54 टेस्ट, 117 एकदिवसीय और 61 टी-20 मैच खेले, जिनमें उन्होंने 6,164 रन बनाए। इनमें छह शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। विकेट के पीछे रहते हुए सरफराज ने 315 कैच लपके और 56 स्टंपिंग कीं। सरफराज ने सभी फॉर्मेट को मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी भी की, जिनमें 50 एकदिवसीय, 37 टी-20 और 13 टेस्ट मैच शामिल हैं। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान टी-20 रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंचा और लगातार 11 टी-20 सीरीज जीतने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उनकी कप्तानी को सबसे ज़्यादा 2017 में इंग्लैंड में हुई आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की जीत के लिए याद किया जाता है। इस टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराकर आठ साल से चले आ रहे आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म किया था। इस जीत के साथ ही सरफराज पाकिस्तान के ऐसे एकमात्र कप्तान बन गए, जिन्होंने जूनियर और सीनियर, दोनों ही स्तरों पर पाकिस्तान को आईसीसी खिताब दिलाया। इससे पहले उन्होंने 2006 में श्रीलंका में हुए अंडर-19 विश्व कप में भी टीम की कप्तानी करते हुए जीत दिलाई थी।

इंडियन वेल्स 2026

दुनिया के नंबर एक अल्काराज को हराकर मेदवेदेव फाइनल में

एजेंसी ■ कैलिफोर्निया

रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्काराज को हराकर इंडियन वेल्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उनका मुकाबला जैनिक सिनर होगा। रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने तेज शुरुआत की और एक घंटा 37 मिनट तक चले मुकाबले में अल्काराज पर 6-3, 7-6 (7-3) से जीत हासिल की। अल्काराज ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी और मेदवेदेव से मुकाबला होने तक वे लगातार 16 मैच जीत चुके थे। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव ने अल्काराज की इस साल चली आ रही 16 जीतों के सिलसिले को समाप्त कर दिया।

जैनिक सिनर भी फाइनल में

रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव और इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर के बीच इंडियन वेल्स का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इटली के जैनिक सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पहली बार इंडियन वेल्स फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-2, 6-4 से हराया। विश्व नंबर दो खिलाड़ी ने आठ ऐस लगाए और केवल 13 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके प्रतिद्वंद्वी से आठ कम थे, जबकि उन्होंने अपने आठ नेट पॉइंट्स में से सात जीते।

रिषभ का लगातार दूसरा शतक

नई दिल्ली। रिषभ सिंह (नाबाद 100) के लगातार दूसरे शतक की बदौलत उत्तर क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को रविवार को रोशनारा क्लब मैदान में 10 विकेट से रौंद कर जेके बोस टूर्नामेंट जीतना सुनिश्चित कर लिया है। दक्षिण क्षेत्र चार विकेट पर 187 रन पर रोकने के बाद, उत्तर क्षेत्र ने 18.2 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 188 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। पिछले मैच में पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ शतक लगाने वाले रिषभ ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एक ओर शतक ठोका। रिषभ ने 14 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। उसके साथी आकाश रावल तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। अमित चौधरी ने तीन चौकों और एक छक्के के सहारे नाबाद 35 रन बनाकर रिषभ का अच्छा साथ दिया। लगातार दूसरी जीत के साथ उत्तर क्षेत्र का चैंपियन बनना तय हो गया है।

5 मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

द. अफ्रीका ने न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ■ माउंट माउंगानुई

नकोबानी मोकोएना (तीन विकेट) और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद कॉनर एस्टरहाउजन (नाबाद 45) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 20 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 28 रन के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिये। दक्षिण अफ्रीका ने 16.4 ओवरों में तीन विकेट पर 93 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कॉनर एस्टरहाउजन ने 48 गेंदों में दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 45 रनों की पारी खेली। डियान फॉरेस्टर ने नाबाद 16 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए काइल जेमीसन, जैकरी फॉक्स और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने एक के बाद एक लगातार विकेट गंवाये। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 14.3 ओवरों में 91 रन के स्कोर पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए नकोबानी मोकोएना ने तीन विकेट और गेराल्ड कोएत्जी, ओटनील बार्टमैन तथा केशव महाराज दो-दो विकेट लिए।

ईरान युद्ध के चलते फॉर्मूला वन ने रद्द की दो रेस

बहरीन और सऊदी अरब में ग्रां प्री रेस नहीं होगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहा है कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी। अमेरिका और इस्राइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं। यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई।

एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी। एफवन ने कहा, पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी। हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा।

चंद्रिका ने 51 किग्रा भार वर्ग में जीता स्वर्ण

वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप में भारत ने जीते पांच पदक

एजेंसी ■ बैंकॉक

चंद्रिका पुजारी ने महिलाओं के 51 किग्रा भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन करे हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप में उज्बेकिस्तान की मार्दोनोवा नाजोकत को सर्वसम्मत फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ भारत ने इस टूर्नामेंट एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया।

यूथ ओलंपिक की अलग-अलग भार श्रेणियों में हिस्सा लेते हुए भारत की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन किया, और टीम के आधे सदस्य पदक जीतकर घर लौटे। वर्ल्डबॉक्सिंग के अध्यक्ष गेनाडी गोलोवकिन और बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह की मौजूदगी में बैंकॉक में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। तीन भारतीय मुक्केबाज अपने-अपने वर्गों के फाइनल में पहुंचने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। गुंजन (48 किलोग्राम) इंग्लैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी से 5-0 से हार गई, जबकि जॉयश्री देवी (54 किलोग्राम) ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अमेरिका की मुक्केबाज से 4-1 से हार गईं। पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में, एल. अंबेकर मीतेई को भी फाइनल मुकाबले में यूक्रेन के मुक्केबाज से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले टूर्नामेंट में, राधामणि लोंगजाम (57 किलोग्राम) ने कांस्य पदक जीता।

न्यूज़ीलैंड की महिला टीम ने द. अफ्रीका को 80 रनों से हराया

कप्तान अमेलिया केर, जॉर्जिया प्लिमर का अर्धशतक, सोफी डिवाइन ने लिए चार विकेट

एजेंसी ■ माउंट माउंगानुइ

कप्तान अमेलिया केर (78), जॉर्जिया प्लिमर (63) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद सोफी डिवाइन (चार विकेट) और जेस केर (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने रविवार को खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 80 रनों से शिकस्त दी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अमेलिया केर को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

191 रनों के लक्ष्य का दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 110 रन ही बना सकी और 80 रनों से मुकाबला हार गई। दक्षिण अफ्रीका के लिए ताजमिन ब्रिट्स ने सर्वाधिक 29 रन बनाये। इसकेअलावा एन डी क्लर्क (19), सूने लूस और (10) रन बनाकर आउट हुई। कायला रेनेके ने 18 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए सोफी डिवाइन ने 12 रन देकर चार विकेट और जेस केर ने 13 रन देकर दो विकेट लिये। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 190 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

न्यूजीलैंड की कप्तान ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

माउंट माउंगानुई। न्यूजीलैंड की महिला टीम दक्षिण अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला माउंट माउंगानुई के स्टेडियम में खेला गया जिसमें कीवी महिला टीम 80 रनों से अपने नाम करने में कामयाब रही। इस मैच में न्यूजीलैंड महिला टीम की नई कप्तान अमेलिया केर के बल्ले से 44 गेंदों में बेहतरीन 78 रनों की पारी देखने को मिली, जिसके दम पर वह वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त करने में कामयाब रही। अमेलिया केर अब महिला और पुरुष टी20 इंटरनेशनल में पहले 5 मैचों में बतौर कप्तान अब सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। केर ने कप्तान के रूप में पहली 5 पारियों में कुल 301 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने रोमानिया की रेबेका ब्लेक का रिकॉर्ड तोड़ा है जिन्होंने 250 रन बनाए थे।

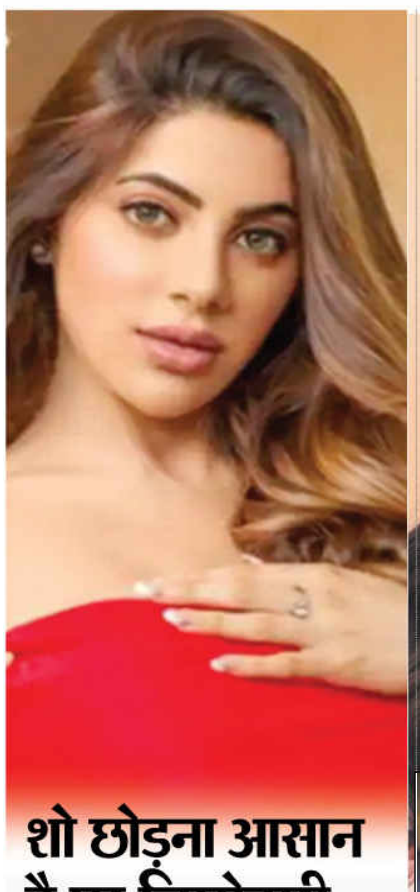

शो छोड़ना आसान है पर जिम्मेदारी निभाना चुनौती

अभिनेत्री निक्की तंबोली रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हो गई हैं। उन्हें डबल एविक्शन में शो से बाहर कर दिया गया। शो से निकलने के बाद निक्की ने बुधवार को इंस्टाग्राम के जरिए शो में चल रहे संघर्ष और अपनी हालत के बारे में बात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखा और अपनी भावनाएं व संघर्ष साझा किए। निक्की ने लिखा, 'कई लोग कह रहे हैं कि जब अरबाज को शो से निकाला गया, तो मुझे भी शो छोड़ देना चाहिए था, लेकिन शो में आने का मतलब जिम्मेदारी और वादा निभाना होता है। भावनाओं में आकर शो छोड़ना आसान लग सकता है पर कमिटमेंट निभाना असली हिम्मत है।' निक्की ने लिखा कि जब मेरे भाई का देहांत हुआ था, तब भी मैं अगले दिन 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के लिए गई थी। उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए कमिटमेंट का मतलब यही होता है। भावनाएं सच्ची होती हैं, लेकिन जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शो ने मुझे हमेशा सम्मान, महत्व और प्राथमिकता दी। कमिटमेंट सिर्फ भावनाओं का नाम नहीं, बल्कि उस हिम्मत का नाम भी है, जब पता होता है कि बाहर लोग आलोचना करेंगे, कहानियां बनाएंगे, फिर भी आप मजबूत रहते हैं।' निक्की ने बताया कि शो में जाने से पहले वे डेंगू से ठीक होकर आई थीं। इसलिए ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'कई लोगों ने मेरी परफॉर्मेंस को जज किया, बिना जाने कि मैं डेंगू से ठीक होकर आई थी। शरीर में थकान, कमजोरी और बहुत ज्यादा थकावट थी। छोटी-छोटी चीजें भी भारी लगती थीं, फिर भी मैं हर दिन हिम्मत से शो में गई।'

उन्होंने कहा कि शो में उनका मुकाबला किसी दूसरे से नहीं बल्कि खुद से था। उन्होंने कहा, 'मेरा असली मुकाबला किसी से नहीं बल्कि खुद से था।अपनी ताकत, सीमाओं और शरीर की लड़ाई से। सबसे कठिन लड़ाइयां अक्सर दिखाई नहीं देतीं। हर दिन वहां पहुंचना, थकान के बावजूद खड़े रहना और हार न मानना यही मेरी असली चुनौती थी। निक्की ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'अगर किसी को मेरी परफॉर्मेंस अच्छी नहीं लगी तो कोई बात नहीं क्योंकि हर दिन मैं वहां जाकर खुद से लड़ रही थी। मेरी असली जीत यही थी कि शरीर हार मानना चाहता था, लेकिन मैं खड़ी रही और आगे बढ़ती रही।'

'मेड इन कोरिया' एक्ट्रेस प्रिया मोहन ने साझा किया कोरिया शूट का दुख

प्रिया मोहन की तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस ने कोरिया में शूटिंग करते हुए आई परेशानी के बारे में एक इंटरव्यू में चर्चा की। साथ ही वहां हुए अपने अनुभव के बारे में भी बताया।

खाना सबसे बड़ा चैलेंज

अभिनेत्री प्रिया मोहन ने बातचीत में अपनी तामिल फिल्म 'मेड इन कोरिया' के काफी कुछ बताया। उन्होंने कहा कि कोरिया में सबसे मुश्किल है खाना मिलना। क्योंकि कोरिया में हर खाने में रेड मीट डाला जाता है वो नहीं खा सकती थीं। आगे एक्ट्रेस ने कहा कि वो मूल रूप से शाकाहारी हैं। मगर उन्होंने कुछ दिनों पहले ही चिकन खाना शुरू किया है। अपने डाइटिंग के वजह से भी वह सब कुछ नहीं खा सकती हैं।

मौसम का बदलना भी एक मुश्किल

प्रिया ने बताया कि वो और शूटिंग यूनिट 40 दिनों तक कोरिया में थीं। इस दौरान खाने के साथ-साथ उन्होंने मौसम के बदलाव को भी एक समस्या है। उन्होंने कहा कि कोरिया का मौसम लगातार बदलता रहता है। अगर सुबह गर्मी होती है तो दोपहर में बारिश हो जाती है। वहीं रात में बर्फ गिरने लगती है। इस मौसम की वजह से काफी शूटिंग में काफी मुश्किलें होती हैं।

काफी एंजॉय की फिल्म की शूटिंग

मेड इन कोरिया एक इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है। इसमें कई कोरियन एक्टर्स भी काम कर रहे हैं। प्रिया मोहन ने अपनी बातचीत में कहा कि मुश्किलों के बावजूद उन्हें फिल्म करने में काफी मजा आया। खास तौर पर कोरियन एक्टर्स के साथ एक्टिंग का अनुभव काफी खास रहा। प्रिया ने कहा कि कोरियन एक्टर्स स्क्रिप्ट पढ़ने से ज्यादा स्वाभाविक एक्टिंग पर ध्यान देतें हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने पहले इंटरनैशनल प्रोजेक्ट के लिए काफी खुश हैं।

मानसी शर्मा

नेगेटिव रोल में दिखेंगे सुधांशु पांडे, अपने 'जटिल' किरदार को लेकर किया खुलासा

टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुधांशु पांडे इन दिनों लोकप्रिय शो 'दो दुनिया एक दिल' में नजर आ रहे हैं। इस सीरियल में वे एक निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने खास बातचीत में अपने रोल को लेकर बात की। अभिनेता ने बताया कि उनका किरदार काफी जटिल और लेयर्ड है। इसमें कई ऐसे पहलू दिए गए हैं, जो दर्शकों को चौंका सकते हैं। उन्होंने बताया, 'मैं हर रोल में कुछ नया करने की कोशिश करता हूं ताकि दर्शकों को अनएक्सपेक्टेड मोमेंट्स देखने को मिले और ये सब करना मुझे काफी अच्छा लगता है।' सुधांशु पांडे ने बताया कि शो में उनका किरदार भले ही बाहर से निगेटिव है, लेकिन इसमें कई तरह के डायमेंशन हैं, जो कहानी को धीरे-धीरे सामने लाने का काम करेंगे। सुधांशु पांडे ने कहा, 'मेरी हमेशा से ऐसी किरदार बनाने की होती है जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रहें। अगर कोई कैरेक्टर दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना ले, तो एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।' जब उनसे सवाल किया, 'शो में आप एक पिता की भूमिका भी निभा रहे हैं, लेकिन लोगों को लगता है कि आप अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा हैं तो उन्होंने कहा, 'पिता बनने का मतलब यह नहीं कि बाल या दाढ़ी सफेद हो जाए। मैं असल जिंदगी में भी पिता हूं। मेरे बच्चे हैं, लेकिन मैं फिट और एक्टिव हूं। समाज में पिता के लुक को लेकर एक स्टीरियोटाइप है, जो गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और एनर्जी हर उम्र के लोगों में होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर कोई शादीशुदा और बच्चों वाला व्यक्ति भी एनर्जेटिक हो सकता है, जबकि बिना परिवार वाला भी अनफिट दिख सकता है। इसलिए हमें ऐसे पुराने विचारों से दूर रहना चाहिए।' शो में डिजिटल क्राइम और सोफिस्टिकेटेड स्कैम जैसे विषय दिखाए जा रहे हैं, जिसको लेकर सुधांशु ने कहा, एजुकेशन और अवेयरनेस दो अलग-अलग चीजें हैं। बहुत पढ़े-लिखे लोग भी स्कैम कर सकते हैं और वही पढ़े-लिखे लोग उनके शिकार भी बन सकते हैं।

शरवरी बनीं इम्तियाज की फिल्म का हिस्सा

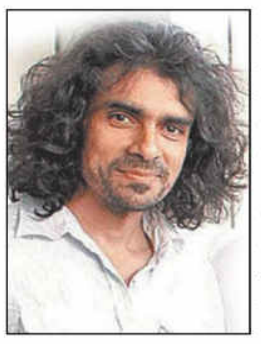

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आने वाली हैं। इसमें लीड एक्टर के तौर पर दिलजीत दोसांझ नजर आने वाले हैं। आज फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। जिसे देखकर फैंस उत्साहित हैं। टीजर में रोमांस से भरी कहानी की झलक दिखी है। इस बीच शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर निर्देशक इम्तियाज अली के साथ तस्वीर शेयर की है और एक पोस्ट लिखी है। शरवरी वाघ ने एक पोस्ट में लिखा 'इम्तियाज सर यह कहना कि मैं आपके सिनेमा की बहुत बड़ी फैन रही हूं, कम होगा। आज जब हमारा टीजर आया, तो मैं उस दिन को याद कर रही थी, जब मैंने 3 साल पहले एक क्लास अटेंड की थी। इसे आपने मणि सर के लिए कंडक्ट की थी। मैं वहां ऑडियंस में बैठकर आपके क्राफ्ट, आपके विजन और आप बड़े पर्दे पर जो खूबसूरत दुनिया बनाते हैं, उसके बारे में सुन रही थी।' शरवरी ने आगे लिखा 'मुझे याद है कि मैंने उस दिन इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली थी और सोचा था कि मैं किसी दिन आपकी फिल्म का हिस्सा बनूंगी। मुझे क्या पता था कि मैं एक ऐसा टीजर देखूंगी जिसके आखिर में 'ए फिल्म बाय इम्तियाज अली' लिखा होगा और मैं इसका हिस्सा बनूंगी।' शरवरी ने आगे लिखा 'एक यंग एक्टर के तौर पर, जो स्क्रीन पर अलग-अलग तरह के किरदार में ढलने के लिए बेताब है, मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' का सफर सबसे अच्छा रहा। यह सिर्फ आपकी वजह से हो पाया। रेकी से लेकर शूटिंग खत्म होने तक और कई लंच और डिनर पर हुई बातें मेरी यादों में रहेंगी। थैंक्यू सर! आप सिर्फ एक अच्छे फिल्ममेकर ही नहीं, एक अच्छे इंसान भी हैं!'

पलाश मुछाल की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगे टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला

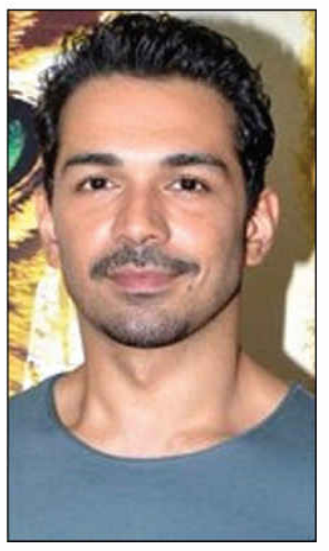

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा कुछ दिनों पहले की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपदे निभाएंगे। अब इस फिल्म में एक टीवी एक्टर भी शामिल हो गया है। इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए पलाश मुछाल ने ही जानकारी साझा की है। टीवी एक्टर के साथ एक फोटो भी पोस्ट की है। पलाश मुछाल की फिल्म में टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला एक अहम किरदार निभाएंगे। देर रात पलाश मुछाल ने अभिनव के साथ तस्वीर साझा की और फिल्म में उनका स्वागत किया। इस फिल्म में डेजी शाह भी नजर आएंगी।

कई फिल्में निर्देशित कर चुके हैं पलाश

पलाश मुछाल डायरेक्शन में आने से पहले बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में सक्रिय थे। फिर वह निर्देशक की भूमिका में आए। अब तक कई फिल्में बना चुके हैं। पलाश ने 'अर्ध' और 'काम चालू है' जैसी फिल्में बनाई हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

शादी टूटने का मामला भी चर्चा में रहा

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। इस साल की शुरुआत में स्मृति के दोस्त ने पलाश पर पैसों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया। पलाश ने भी मानहानि का मुकदमा ठोका है। इन सभी बातों के बीच वह अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े अपडेट लगातार साझा कर रहे हैं।

10 जुलाई को रिलीज होगी आलिया-शखरी स्टारर 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपनी पहली वुमन सेंट्रिक रुपाई फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेस का मुकाबला विलेन बने बॉबी देओल से होगा। यह फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली ऐसी कहानी है, जिसमें फीमेल स्पाई को केंद्र में रखा गया है। करीब डेढ़ साल तक चली शूटिंग में कश्मीर का एक लंबा शेड्यूल भी शामिल रहा। फिल्म के क्लाइमैक्स में हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस को वीएफएक्स आधारित बनाया गया है, जिसके लिए विशेष रूप से हाई स्पीड वाले बोल्ट कैमरा का इस्तेमाल किया गया।

शूटिंग में सीक्रेसी का स्केल भी काफी हाई रहा

शूटिंग के दौरान बॉबी के डेडिकेशन की भी काफी चर्चा रही। बताया जाता है कि उन्होंने लगातार आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में काम किया। फिल्म में उनका लुक फिल्म 'एनिमल' से बिल्कुल अलग रखा गया है, जिसमें वे साल्ट-एंड-पेपर दाढ़ी और वेस्टर्न स्टाइल ब्लेजर में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान सीक्रेसी का स्केल काफी ऊंचा रखा गया। क्रू मेंबर्स के मोबाइल फोन तक सेट पर बैन थे। कुछ एवशन सीन्स को पहले बॉडी डबल्स के साथ शूट किया गया और बाद में फेस रिप्लेसमेंट तकनीक से एक्टर्स के चेहरे जोड़े गए, जिसमें करीब 15 से 20 दिन लगे। 'अल्फा' के सेट पर नई पीढ़ी की झलक भी देखने को मिली। जिमी शेरगिल के बेटे वीर शेरगिल ने भी इस फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। 'अल्फा' के अलावा शरवरी की अली-अहान वाली फिल्म यूके में 60 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल में हो रही शूट निर्देशक अली ने इस फिल्म को स्टूडियो सेट के बजाय रियल लोकेशंस पर शूट करने का फैसला लिया है। इसी वजह से करीब 60 दिनों का लंबा शेड्यूल यूनाइटेड किंगडम में रखा गया है। शूटिंग मुख्य रूप से लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम और लीड्स में होगी। इस फिल्म के भी लुक और सीन लीक न हों, इसके लिए सेट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह यशराज फिल्म्स के इतिहास के सबसे बड़े सुरक्षा प्रबंधों में से एक है।

विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है...

अहान-शरवरी स्टारर इस फिल्म की कहानी आधुनिक भारत और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि पर आधारित एक एक्शन-रोमांस है। अहान के किरदार में एक्शन के साथ हल्का-फुल्का हास्य भी होगा। यूके शेड्यूल के बाद फिल्म की टीम भारत लौटकर जयपुर में कुछ अहम हिस्सों की शूटिंग करेगी। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विदेशी एक्शन डायरेक्टर्स को भी टीम में शामिल किया गया है। अहान और ऐश्वर्य ठाकरे के लिए एक लिमिटलेस एक्शन वर्कशॉप आयोजित की गई। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और हाई स्पीड चेज सीक्वेंस भी हैं। अहान पिछले तीन महीनों से एमएमए ट्रेनिंग ले रहे हैं।

शरवरी, अहान पांडे के साथ भी एक एक्शन फिल्म में दिखेंगी

शरवरी वाघ जल्द ही निर्देशक अली अब्बास जफर की नई एक्शन-रोमांटिक फिल्म में अहान पांडे के साथ भी नजर आएंगी। अहान इस नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हैं। इसे भी यशराज फिल्म्स ही बना रही है। फिल्म का पहला शेड्यूल 20 मार्च से मुंबई में शुरू होगा।

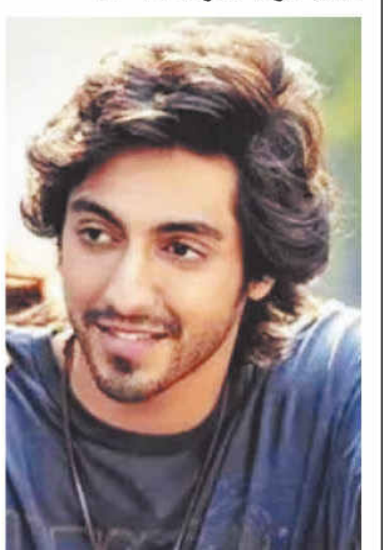

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक शिव कुमार तथा संपादक भावना शर्मा ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड 32 कश्मीरी कॉलोनी खैरा विलेज नजफगढ़ नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677 टोडरमल कॉलोनी मेन थाना रोड नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क- 9871096636, 9205336006, Email:Nazafgarhmetronews@gmail.com / समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे